पौष कृष्ण - 13 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 153 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 28-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सनातन संस्कृति के खिलाफ छद्म धर्मनिरपेक्ष सिंडीकेट से सावधान रहना होगा : नकवी

6 क्या मोहन भागवत को महंगा पड़ेगा सॉफ्ट हिंदुत्व का अलाप?

7 खुशी कपूर ने वेदांग रैना के साथ स्वेटर पार्टी के पल किए शेयर

फर्स्ट टेक

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके महसूस किये गये

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किये गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर चार मापी गई। उन्होंने बताया कि भूकंप के झटके रात नौ बजकर छह मिनट पर उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में महसूस किये गये। उन्होंने बताया कि भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। उन्होंने बताया कि भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

मारूति सुजुकी के मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी का निधन

नई दिल्ली/एजेन्सी। वाहन निर्माता जापानी कंपनी सुजुकी मोटर

कार्पोरेशन के वरिष्ठ सलाहकार एवं यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक और मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। मारूति सुजुकी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये सुजुकी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

प्रतिबंधित कंटेन्ट के मामले में टिकटॉक पर 28,600 डॉलर का जुर्माना

मॉस्को/एजेन्सी। मॉस्को में टैगांस्की जिला अदालत ने प्रतिबंधित सामग्री को हटाने से इनकार करने पर टिकटॉक पर तीन मिलियन रूबल (28,600 डॉलर) का जुर्माना लगाया है। यह जानकारी अदालत ने शुक्रवार को आरआईए नोवोस्ती को दी। अदालत ने कहा कि अदालत के फैसले में, टिकटॉक प्राइवेट लिमिटेड को रूसी प्रशासनिक अपराध संहिता के अनुच्छेद 13.41 के भाग 2 के अंतर्गत एक प्रशासनिक अपराध का दोषी पाया गया है (सूचना, सूचना संसाधनों तक पहुंच को प्रतिबंधित करने की प्रक्रिया का उल्लंघन, और (या)) ऐसी जानकारी को हटाना जो सूचना, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना सुरक्षा पर रूसी कानून के अनुसार प्रतिबंधित है)।

दिल्ली में हुई बारिश, 'ऑरेंज अलर्ट' जारी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को हुई बारिश के बीच दिल्ली में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी कर दिया गया। बारिश के कारण कई इलाकों पर यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने दिन के लिए अभी और अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है।

28-12-2024 सूर्यास्त 5:51 बजे | 29-12-2024 सूर्योदय 6:30 बजे

BSE	NSE
78,699.07 (+226.59)	23,813.40 (+63.20)

सोना	चांदी
8,014 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	100,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जन के मनमोहन

मोह करके मन सभी का,
मौन वो इंसान प्यारे।
व्योम की ऊंचाइयों पर,
सरजमीं के बन सितारे।
देश को समृद्ध करने,
भाव जिनने थे विचारे।
उस असल सरदार को है,
कोटि नमन शत् शत् हमारे।।

मनमोहन सिंह को सुधारों के लिए समर्पित नेता के रूप में याद किया जाएगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत कई हस्तियों ने दी मनमोहन को श्रद्धांजलि, आज होगी अंत्येष्टि

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित कई प्रमुख नेताओं तथा अन्य हस्तियों ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनके आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित की। तिरंगे में लिपटे पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर को उनके आवास '3 मोतीलाल नेहरू मार्ग' पर फूलों से सजे ताबूत में रखा गया, जहां दलगत भावना से ऊपर उठकर नेताओं ने दिवंगत नेता को अंतिम श्रद्धांजलि दी। सिंह की पत्नी गुरशरण कौर और परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। उनका पार्थिव शरीर शनिवार सुबह पार्टी मुख्यालय में लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा और फिर वहीं से सुबह साढ़े नौ बजे उनकी अंतिम यात्रा भी शुरू होगी।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन को राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति बताया और कहा कि उन्हें एक दयालु इंसान, विद्वान अर्थशास्त्री और सुधारों के लिए समर्पित नेता के रूप में याद किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक वीडियो संदेश में सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए यह भी कहा कि उनका जीवन भविष्य की पीढ़ियों को सिखाता है कि कैसे विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठकर ऊंचाइयों को प्राप्त किया जाता है। मोदी ने कहा, ''डॉ. सिंह का निधन राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति है। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है। विभाजन के दौरान भारत आने के बाद बहुत कुछ खोने के बावजूद उन्होंने इन उपलब्धियों को हासिल किया।'' उन्होंने कहा, ''डॉ. सिंह का जीवन भविष्य की पीढ़ियों को सिखाता है कि कैसे विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को प्राप्त किया जाए।''

प्रौद्योगिकी की प्रगति के साथ आत्मा की प्रसन्नता भी महत्वपूर्ण : पूर्व राष्ट्रपति कोविंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को कहा कि जिस युग में प्रौद्योगिकी 'सुपरसोनिक गति' से बढ़ रही है, उसमें आत्मा की प्रसन्नता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कोविंद ने कहा कि विज्ञान और अध्यात्म विरोधाभासी नहीं हैं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं जो समाज की बेहतरी के लिए मिलकर काम करते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति ने यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''वैज्ञानिक सच की खोज में अपना जीवन समर्पित कर देते हैं और उनकी यह खोज साधना कहलाती है।'' उन्होंने कहा कि आज मनुष्य को भौतिक सुख-सुविधाओं से परे जाने की जरूरत है। कोविंद ने कहा कि रामकृष्ण परमहंस, मां सारदा और स्वामी विवेकानंद जैसे संत अध्यात्म की खोज में निकले थे। उन्होंने कहा कि बंगाल के इन संतों ने दुनिया की सुख-सुविधाओं को खारिज कर दिया था लेकिन उन्होंने संन्यास के बिना आध्यात्मिक खोज पूरी नहीं होने की धारणा को भी खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा, ''स्वामीजी जैसे संतों ने इस अवधारणा को खारिज कर दिया कि बिना संन्यास के आध्यात्मिक खोज पूरी नहीं हो सकती।''

कोविंद ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने वैज्ञानिक तरीके से आध्यात्मिकता की खोज की।

भारत ने दुनिया को सम्यक जीवन का उपहार दिया : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज कहा कि भारत कभी अतिवाद की गिरफ्त में नहीं रहा है और यहां आध्यात्मिक ज्ञान से भौतिक इच्छाओं एवं आकांक्षाओं पर संतुलन साधा गया है और यहीं से विश्व को सम्यक जीवन जीते हुए ऐश्वर्य एवं समृद्धि के लिए सन्मार्ग पर चलने के दर्शन का उपहार मिला है।

सिन्हा ने शुक्रवार को शाम यहां साहित्यकार, दार्शनिक, राजनेता एवं सांसद रहे स्वर्गीय डॉ. शंकरदयाल सिंह की जन्मजयंती के मौके पर शंकर संस्कृति प्रतिष्ठान के तत्त्वाधान में आयोजित हमारी जरूरतें और चाहतें विषय पर एक व्याख्यानमाला में बतौर मुख्य अतिथि यह बात कही। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने प्रेरक उद्बोधन प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रंजन कुमार सिंह ने की। स्वर्गीय शंकरदयाल सिंह की पुत्री भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी श्रीमती रश्मि सिंह ने कार्यक्रम का प्रबंध संचालन किया।

सिन्हा ने स्वर्गीय शंकरदयाल सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह एक संत साहित्यकार, राजनेता, प्रखर राष्ट्रवादी और ऐसे विलक्षण प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व थे जिनमें देश के प्राचीन गौरव को पुन: हासिल करने की आकांक्षा थी और उन्हें सृष्टि के प्रति अपने कर्त्तव्य का बोध था और उनका मानना था कि यदि इस कर्त्तव्य के प्रति हमारी सभ्यता में यह बोध ना होता तो भारत की सभ्यता इतनी विकसित कभी नहीं होती और ना ही तमाम विरोधाभासों एवं टकरावों के बावजूद जीवंत होती।

उन्होंने कहा कि भारत एक समय ज्ञान एवं उद्योग दोनों का बड़ा केन्द्र था। अन्य देशों से लोग केवल व्यापार के लिए नहीं बल्कि शिक्षा एवं अध्यात्म के लिए भी आते थे। ऐश्वर्य एवं समृद्धि के लिए सन्मार्ग पर चलें, ऐसा भारत की भूमि ने ही सिखाया है। हमारे वैज्ञानिक आध्यात्मिक चिंतन के साथ ऋषि ही थे। उनके अंतरतम में भौतिकता नहीं थी। भारत ने दुनिया को सम्यक जीवन का बहुत बड़ा उपहार दिया है।

उपराज्यपाल ने कहा कि भारत कभी भी अतिवाद की गिरफ्त में नहीं रहा है।

पंजाब के बठिंडा में बस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत, 20 से अधिक लोग घायल

बठिंडा/भाषा। पंजाब के लुधियाना जिले में शुक्रवार को एक बस पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे नाले में जा गिरी और इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई व 20 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बस में 45 से अधिक यात्री सवार थे और यह जीवन सिंहवाला गांव के पास लासारा नाले में गिर गई। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस तलवंडी साबो से बठिंडा जा रही थी। स्थानीय लोग यात्रियों की मदद के लिए तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि हादसे में पांच महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और जिला प्रशासन ने भी बचाव अभियान चलाया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम भी सहायता के लिए मौके पर पहुंच गई।

नए साल में लगेंगे चार ग्रहण, लेकिन भारत में दिखेगा केवल एक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। नए साल 2025 में सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा की चाल दुनिया को दो सूर्यग्रहणों और दो चंद्रग्रहणों के रोमांचक दृश्य दिखाएगी। हालांकि, उज्जैन की एक प्रतिष्ठित वेधशाला का यह पूर्वानुमान भारत के खगोलप्रेमियों को थोड़ा निराश कर सकता है कि देश में इनमें से केवल एक ग्रहण ही निहारा जा सकेगा। शासकीय जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ. राजेंद्र प्रकाश गुप्त ने शुक्रवार को बताया कि नये साल में ग्रहणों का सिलसिला 14 मार्च को लगने वाले पूर्ण चंद्रग्रहण से शुरू होगा। गुप्त ने बताया, नववर्ष का यह पहला ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा क्योंकि इस खगोलीय घटना के वक्त देश में दिन का समय होगा। यह खगोलीय घटना अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, पश्चिमी अफ्रीका और उत्तरी व दक्षिणी अटलांटिक महासागर में दिखाई देगी।''

गुप्त ने बताया कि आगामी 29 मार्च को लगने वाला आंशिक सूर्यग्रहण भी भारत में नहीं देखा जा सकेगा। यह ग्रहण उत्तरी अमेरिका, ग्रीनलैंड, आईस लैंड, उत्तरी अटलांटिक महासागर, संपूर्ण यूरोप और उत्तर-पश्चिमी रूस में देखा जा सकेगा।

उन्होंने बताया, भारतीय खगोलप्रेमियों को यह बात उत्साहित कर सकती है कि 2025 में सात और आठ सितंबर के बीच लगने वाला पूर्ण चंद्रग्रहण देश में देखा जा सकेगा। यह ग्रहण एशिया के अन्य देशों के साथ ही यूरोप, अंटार्कटिका, पश्चिमी प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलिया और हिंद महासागर क्षेत्र में भी दिखाई देगा।

गुप्त ने बताया कि 2025 का अंतिम ग्रहण आंशिक सूर्यग्रहण के रूप में 21 और 22 सितंबर के बीच लगेगा और यह खगोलीय घटना भारत में देखी नहीं जा सकेगी। उन्होंने कहा,यह आंशिक सूर्यग्रहण न्यूजीलैंड, पूर्वी मेलानेशिया, दक्षिणी पोलिनेशिया और पश्चिम अंटार्कटिका में नजर आएगा।

जल्द ही समाप्त होने जा रहा वर्ष 2024 उपच्छाया चंद्रग्रहण, पूर्ण सूर्यग्रहण, आंशिक चंद्रग्रहण और वलयाकार सूर्यग्रहण की चार खगोलीय घटनाओं का गवाह बना था।

भारत में मुंबई हमलों का कथित मास्टरमाइंड हाफिज सईद का रिश्तेदार

जमात-उद-दावा के उप प्रमुख अब्दुल रहमान मक्की की मौत

लाहौर (पाकिस्तान)/भाषा। भारत में मुंबई हमलों के कथित मास्टरमाइंड हाफिज सईद के रिश्तेदार और प्रतिबंधित जमात-उद-दावा के उप प्रमुख हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की शुक्रवार को यहां दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। जमात-उद-दावा (जेयूडी) के अनुसार, प्रोफेसर अब्दुल रहमान मक्की पिछले कुछ दिनों से बीमार था और लाहौर के एक निजी अस्पताल में उच्च मधुमेह के कारण उसका इलाज हो रहा था। जेयूडी के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मक्की को आज सुबह दिल का दौरा पड़ा और उसने अस्पताल में अंतिम सांस ली।'' जेयूडी प्रमुख हाफिज सईद के रिश्तेदार मक्की को आतंकवाद रोधी अदालत ने 2020 में आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में छह महीने की कैद की सजा सुनाई थी। मक्की जेयूडी का उप प्रमुख था और आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में सजा सुनाए जाने के बाद से उसकी अधिक चर्चा नहीं हुई। पाकिस्तान मुत्तहिदा मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) ने एक बयान में कहा कि मक्की पाकिस्तानी विचारधारा का समर्थक था। मक्की को 2023 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया था, जिसके तहत उसकी संपत्ति जब्त की गई।

स्पेन जा रहे प्रवासियों की नौका डूबी, 70 की मौत

बमाको/एपी। इस महीने की शुरुआत में स्पेन पहुंचने की कोशिश कर रहे करीब 70 प्रवासियों की नाव डूबने से मौत हो गई थी। माली के एक मंत्री ने यह जानकारी दी। विदेश में रह रहे माली के नागरिकों से संबंधित मंत्रालय के मंत्री मोसा एजी अत्ताहर ने बृहस्पतिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि स्पेन जा रही प्रवासियों की एक नाव 19 दिसंबर को डूब गई। मंत्रालय के अनुसार इस नाव में शुरू में 80 प्रवासी सवार थे, जिनमें से केवल 11 ही जीवित बचे। माली के अधिकारियों ने जीवित बचे लोगों में माली के नौ लोगों की पहचान की है। मंत्री ने कहा, ''दुर्भाग्यवश, नाव डूबने की घटना में जान गंवाने वाले लोगों में 25 युवा मालीवासियों की औपचारिक रूप से पहचान कर ली गई है।'' पश्चिमी अफ्रीका से कैनरी द्वीप तक प्रवासियों के लिए अटलांटिक मार्ग दुनिया के सबसे खतरनाक मार्गों में से एक है।

कोयला घोटाले में मनमोहन सिंह को भी करना पड़ा था आरोपों का सामना, न्यायालय से मिली थी राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का राजनीतिक, सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन बेदाग रहा और सभी वर्गों के बीच उन्हें अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखा गया। लेकिन उन्हें उस समय अदालती कार्यवाही से दो चार होना पड़ा जब उन्हें कोयला खदान आवंटन मामले में आरोपी के रूप में तलब किया गया। सिंह का बृहस्पतिवार को 92 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय राजधानी में निधन हो गया।

उच्चतम न्यायालय ने हालांकि हस्तक्षेप किया और उन्हें तलब किए जाने के निर्देश पर रोक लगा दी।

एक कुशल अर्थशास्त्री और सम्मानित राजनीतिज्ञ सिंह ने उनके जैसे सार्वजनिक अधिकारियों पर मुकदमा चलाने के लिए अनिवार्य मंजूरी के अभाव पर सवाल उठाया, तथा कोयला खदान आवंटन से संबंधित अपने निर्णय में किसी भी प्रकार के अपराध से इनकार किया।

शीर्ष अदालत में उनकी अपील में अधीनस्थ अदालत के मार्च 2015 के आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें हिंडाल्को को तालाबीरा-2 कोयला खदान के आवंटन में कथित अनियमितताओं में उन्हें आरोपी के रूप में तलब किया गया था।

अपील में कहा गया था, याचिका में कानूनी तौर पर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं जिसके लिए इस न्यायालय से सरकारी कार्यों और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आपराधिक अभियोजन के बीच परस्पर संबंध के सिलसिले में एक आधिकारिक निर्णय की आवश्यकता है, विशेषकर ऐसे मामलों में जहां किसी प्रकार के लेन-देन का आरोप तो दूर की बात है, इसकी जरा भी भनक तक नहीं होती और मामला सरकारी निर्णयों की प्रक्रिया पर आधारित होता है।

अधीनस्थ अदालत के न्यायाधीश भरत पाराशर ने 11 मार्च 2015 को सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया था और उसी वर्ष आठ अप्रैल को सिंह और अन्य को आरोपी के रूप में तलब किया था।

जब कथित घोटाला हुआ था, उस समय पूर्व प्रधानमंत्री के पास अन्य मंत्रालयों के अलावा कोयला मंत्रालय भी था। न्यायाधीश पाराशर ने 2017 में कहा था कि सिंह के पास यह मानने का कोई कारण नहीं था कि तत्कालीन कोयला सचिव एच. सी. गुप्ता ने मध्य प्रदेश में कोयला खदान के आवंटन के लिए एक गैर-अनुपालन वाली निजी फर्म की सिफारिश की थी।

गुप्ता को पूर्व प्रधानमंत्री के समक्ष बेईमानी से गलत बयानी करके अनियमितता बरतने का दोषी ठहराया गया था, तथा पाया गया था कि प्रधानमंत्री ने केवल गुप्ता की अध्यक्षता वाली जांच समिति की सिफारिशों पर ही कार्य किया था।

अदालत ने कहा कि सिंह के पास यह मानने का कोई कारण नहीं था कि दिशानिर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है।

न्यायाधीश ने कहा, यह तथ्य कि देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कोयला मंत्रालय का प्रभार अपने पास ही रखना उचित समझा, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि उक्त मंत्रालय का कार्य कितना महत्वपूर्ण था।

अदालत ने आगे कहा कि यह स्पष्ट है कि सिंह ने जांच समिति की सिफारिश पर इस धारणा के आधार पर विचार किया कि आवेदनों की पात्रता और पूर्णता की कोयला मंत्रालय में जांच की गई होगी।

न्यायालय ने कहा, जांच समिति की सिफारिश के अनुमोदन के लिए फाइल को कोयला मंत्री के रूप में प्रधानमंत्री के पास भेजते समय, गुप्ता की तो बात ही छोड़िए, मंत्रालय के किसी भी अधिकारी ने यह नहीं कहा कि आवेदनों की पात्रता और पूर्णता की जांच नहीं की गई है।

भारत के लिए मनमोहन सिंह का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा: आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एक संयुक्त बयान में कहा, ''भारत के पूर्व प्रधानमंत्री तथा देश के वरिष्ठ नेता डॉ. सरदार मनमोहन सिंह के निधन से समूचा देश अत्यंत दुःख का अनुभव कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उनके परिवार तथा असंख्य प्रियजनों को गहरी संवेदना व्यक्त करता है।''

बयान में कहा गया कि मनमोहन सिंह ने सामान्य पृष्ठभूमि से आकर भी देश के सर्वोच्च पद को सुशोभित किया। आरएएस ने कहा, ''सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. सिंह का भारत के प्रति योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करे।'' आरएसएस के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने बाद में लुटियंस दिल्ली के 3, मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित सिंह के आवास पर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारत में आर्थिक सुधारों के जनक मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

मनमोहन सिंह भ्रष्टाचार के खिलाफ थे : अन्ना हजारे

मुंबई/भाषा। भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाने वाले कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने हमेशा देश और समाज के कल्याण को प्राथमिकता दी। हजारे ने 2010 के दशक की शुरुआत में सिंह के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने आंदोलन को याद किया। अस्सी वर्षीय कार्यकर्ता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने उन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित किया और त्वरित निर्णय लिए।

हजारे ने महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में अपने पैतृक गांव रालेगण सिद्धि में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जो लोग जन्म लेते हैं, उन्हें मरना ही पड़ता है, लेकिन कुछ लोग यादें और अपनी विरासत पीछे छोड़ जाते हैं। सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। हजारे ने कहा, वह भ्रष्टाचार के खिलाफ थे और उन्होंने लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम के संबंध में तत्काल निर्णय लिए। उन्होंने हमेशा देश के बारे में सोचा और इस बात पर ध्यान दिया कि वह देश के लोगों के लिए किस तरह से बेहतर काम कर सकते हैं। हजारे ने कहा कि 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी और इसे विकास के पथ पर आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, मनमोहन सिंह ने भले ही देह त्याग दिया हो, लेकिन वे हमेशा (लोगों की) यादों में बने रहेंगे।

भारत के आर्थिक सुधारों में मनमोहन सिंह ने अमिट छाप छोड़ी है : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में उन्होंने अमिट छाप छोड़ी है।

पूर्व प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री सिंह 1982 से 1985 के बीच आरबीआई के गवर्नर भी रहे। मल्होत्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' मैं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से बेहद दुखी हूं। वह एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर थे। भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में उनके योगदानों ने अमिट छाप छोड़ी है। आरबीआई इस शोकाकुल घड़ी में देश के साथ है। ''

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया और उन्हें एक प्रतिभाशाली अर्थशास्त्री करार दिया जिनके पास भारत की संभावनाओं के बारे में दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ-साथ राजनीतिक व्यवहार्यता की अच्छी समझ भी थी। राजन ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा, '' वे एक बेहतरीन अर्थशास्त्री थे, जिनके पास भारत के भविष्य के बारे में एक शानदार दृष्टिकोण था। साथ ही उन्हें इस बात की भी अच्छी समझ थी कि राजनीतिक रूप से क्या संभव है... प्रधानमंत्री नरसिंह राव के सहयोग से उन्होंने जो उदारीकरण और सुधार किए उससे उन्होंने आधुनिक भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव रखी।''

भारत के आर्थिक सुधारों के जनक माने जाने वाले मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार देर रात 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

'भारत को एकजुट रखने की कोशिश है मनमोहन सिंह की सबसे बड़ी विरासत'

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शुक्रवार को दुख जताते हुए कहा कि उनकी सबसे बड़ी विरासत यह रही कि उन्होंने भारत को एकजुट रखने और देशभर में प्यार फैलाने की कोशिश की। अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''सिंह एक बेहतरीन अर्थशास्त्री थे। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उन्होंने भारत को एकजुट रखने की कोशिश की। उन्होंने अर्थव्यवस्था को खोला। आज, जब हम एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की बात करते हैं, तो यह सिंह के ही कारण है।'' अब्दुल्ला, सिंह के नेतृत्व वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य भी रहे हैं। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की दूसरी सरकार में अक्षय ऊर्जा मंत्री रहे अब्दुल्ला ने कहा कि सिंह हमारे पड़ोसियों के साथ दोस्ताना संबंध चाहते थे और 'वह समय आएगा'। उन्होंने कहा, ''अर्थव्यवस्था राजीव गांधी और नरसिंह राव के शासन के दौरान खुली थी और आज हम खुशी से देख सकते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था प्रगति कर रही है।''

मनमोहन सिंह के निधन से देश ने प्रख्यात अर्थशास्त्री और एक महान इंसान खो दिया : पी के मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव पी के मिश्रा ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक प्रकट किया और कहा कि उनके जाने से देश ने प्रतिष्ठित नेता, एक प्रख्यात अर्थशास्त्री और एक महान इंसान खो दिया है।

भारत में आर्थिक सुधारों के जनक मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। कांग्रेस नेता सिंह 2004 से 2014 तक, 10 वर्ष देश के प्रधानमंत्री रहे और उससे पहले उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में मदद की। वह वैश्विक वित्तीय और आर्थिक क्षेत्रों में एक प्रसिद्ध नाम थे। मिश्रा ने एक बयान में कहा, ''डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से हमने एक बहुत ही प्रतिष्ठित नेता, एक प्रख्यात अर्थशास्त्री और एक महान इंसान को खो दिया है।'' डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ी अपनी यादों का जिक्र करते हुए मिश्रा ने कहा कि जब वे दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में पढ़ाते थे, तब उन दिनों वह एम.ए. के प्रथम वर्ष के छात्र थे। उन्होंने कहा, ''उस दौर के दिग्गज प्रोफेसरों के बीच उन्हें पाना पश्चिमी ओडिशा के संबलपुर जिले से आये मेरे जैसे एक छात्र के लिए बहुत ही सुकून देने वाला था।''

उन्होंने कहा, ''वे दिन थे जब अमर्त्य सेन, मृणाल दत्ता चौधरी, ए.एम. खुसरो, के.एन. राज, सुखमय चक्रवर्ती, धर्म कुमार और अन्य उन जैसे बहुत ही प्रतिष्ठित प्रोफेसर वहां पढ़ाते थे।''

आर्थिक उदारीकरण के शिल्पकार थे मनमोहन सिंह: उद्योग मंडल

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग मंडलों ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें देश में आर्थिक उदारीकरण का शिल्पकार बताया जिन्होंने अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में क्रांतिकारी सुधार किए।

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, ''सीआईआई मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है... वह एक विद्वान, अनुभवी नेता और विश्लेषणात्मक विचारक थे। उन्होंने अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में अग्रणी सुधारों के साथ भारत के आर्थिक पुनरुत्थान की संकल्पना की।'' उनके दूरदर्शी नेतृत्व से भारत को वृद्धि, सर्वांगीण विकास व वैश्विक जुड़ाव की नई यात्रा पर अग्रसर किया। उद्योग मंडल फिक्की ने सिंह को बेहतरीन अर्थशास्त्री तथा राजनेता के रूप में याद करते हुए कहा कि उन्होंने देश के आर्थिक भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फिक्की ने बयान में कहा, ''वित्त मंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में उनके नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व आर्थिक वृद्धि की और वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरा।'' इंजीनियरिंग निर्यातकों के संगठन ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने सिंह को असाधारण क्षमता वाला व्यक्ति बताया जिन्होंने ऐसे आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाया जिससे भारत अलग श्रेणी में पहुंच गया।

मनमोहन सिंह जवाबदेही और पारदर्शिता के विचार के प्रति प्रतिबद्ध थे: आरटीआई कार्यकर्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व सूचना आयुक्तों और आरटीआई कार्यकर्ताओं ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन के साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक सशक्तीकरण के युग की शुरुआत करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सरकारी कामकाज पर ''इसके प्रभाव को लेकर थोड़े अनिश्चित'' थे लेकिन वह ''जवाबदेही और पारदर्शिता'' के विचार के प्रति प्रतिबद्ध थे।

दो बार प्रधानमंत्री रहे सिंह का बृहस्पतिवार को निधन हो गया था। वह 92 साल के थे। सिंह को बृहस्पतिवार की शाम तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था।

सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने 2005 में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम लागू किया था। इस अधिनियम ने नागरिकों को 10 रुपए का भुगतान करके सरकार से सूचना मांगने का अधिकार प्रदान किया जिससे सरकारी कामकाज में दशकों से चली आ रही गोपनीयता समाप्त हो गई थी। देश के पहले मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''उन्होंने मुझे बताया था कि वह सरकारी कामकाज पर आरटीआई के प्रभाव को लेकर थोड़े अनिश्चित थे। वह एक सच्चे नौकरशाह थे जो सरकार में गोपनीयता के महत्व को समझते थे। इसलिए वह थोड़ा आशंकित थे, लेकिन वह जवाबदेही और पारदर्शिता के विचार के प्रति प्रतिबद्ध थे।'' उन्होंने कहा कि सिंह इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि केन्द्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) का नेतृत्व प्रशासनिक सेवा से आए किसी व्यक्ति को करना चाहिए, क्योंकि वह सरकार के कामकाज को समझेंगे और यह जान सकेंगे कि किस प्रकार की सूचना का खुलासा किया जा सकता है और किस प्रकार की सूचना को रोका जाना चाहिए।

हबीबुल्लाह ने कहा कि सहमति और असहमति दोनों थीं, लेकिन सिंह जवाबदेही और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर अडिग थे। नौकरशाह से कार्यकर्ता बनीं अरुणा रॉय, जो आरटीआई अधिनियम को आकार देने में प्रमुख व्यक्तियों में से एक थीं, ने कहा कि यह कानून संभवतः सबसे महत्वपूर्ण कानूनों में से एक माना जाएगा क्योंकि यह सरकार के साथ नागरिकों के संबंधों में एक मौलिक बदलाव लेकर आया।

उन्होंने कहा, ''आरटीआई समेत अनेक विधेयकों पर डॉ. मनमोहन सिंह के साथ हमारी अनेक बातचीत में वह हमेशा इस बात पर अड़े रहे कि वह भारत में पारदर्शिता का युग लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' रॉय ने कहा कि सिंह की आशंकाओं के बावजूद, उनके कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय आरटीआई आवेदनों का जवाब देने में सर्वश्रेष्ठ था।

भगदड़ मामले में अदालत के समक्ष पेश हुए अभिनेता अल्लू अर्जुन, नियमित जमानत की याचिका दायर की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की मौत के मामले में दर्ज प्राथमिकी में आरोपी अभिनेता अल्लू अर्जुन वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से शुक्रवार को यहां एक स्थानीय अदालत में पेश हुए।

मामले में आरोपी नंबर 11 के तौर पर नामजद अल्लू अर्जुन ने अदालत में नियमित जमानत के लिए याचिका भी दायर की जिसपर 30 दिसंबर को सुनवाई हो सकती है। घटना के संबंध में 13 दिसंबर को गिरफ्तार किए गए अभिनेता नामपल्ली की अदालत के समक्ष पेश हुए थे, जिसने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अभिनेता की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को समाप्त हो गई। आगे की कार्यवाही के तहत उन्हें अदालत के समक्ष पेश होना था और वह वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश हुए।

अल्लू अर्जुन को जेल भेजे जाने के तुरंत बाद, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उन्हें चार सप्ताह (13 दिसंबर से) के लिए अंतरिम जमानत दे दी थी और उन्हें 14 दिसंबर को जेल से रिहा कर दिया गया था। चार दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 के प्रीमियर के दौरान अभिनेता की एक झलक पाने के लिए प्रशंसकों की होड़ के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी, जिसकी वजह से 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई और उसका आठ वर्षीय बेटा घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने मृतक महिला के परिवार से मिली शिकायत के आधार पर चिक्कडप्ली थाने में विभिन्न धाराओं के तहत अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और सिनेमाघर के प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

कश्मीर: 'रोपवे' परियोजना के खिलाफ कटरा में तीसरे दिन भी रहा बंद, भूख हड़ताल में और लोग जुड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रियासी/जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर में वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के आधार शिविर कटरा में प्रस्तावित 'रोपवे' परियोजना के खिलाफ शुक्रवार को तीसरे दिन भी बंद जारी रहा तथा प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई की मांग को लेकर और अधिक आंदोलनकारी भूख हड़ताल पर बैठ गए। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने 72 घंटे के बंद का आह्वान किया है, जो बुधवार से शुरू हुआ। समिति ने घोषणा की है कि इस दौरान कटरा में सभी गतिविधियां निलंबित रहेंगी।

महिलाएं और बच्चे भी अब उन प्रदर्शनकारियों के साथ शामिल हो गए हैं, जिन्होंने बुधवार रात को भूख हड़ताल शुरू की थी। वे परियोजना के खिलाफ पूर्व में विरोध मार्च के दौरान हिरासत में लिए गए समिति के 18 सदस्यों की रिहाई की मांग कर रहे हैं।

वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों को अन्य स्थलों के लिए भी प्रोत्साहित करने से जम्मू में पर्यटन बढ़ेगा: उमर

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों को जम्मू के अन्य दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने से जम्मू में पर्यटन में बढ़ोतरी होगी और इन स्थानों पर अतिरिक्त 15 लाख पर्यटक जुटेंगे। अब्दुल्ला ने जम्मू में लंबित झील परियोजना के लगभग पूरा होने का उल्लेख किया और कहा कि इसे पर्यटन मानचित्र पर क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यदि हम माता वैष्णो देवी आने वाले तीर्थयात्रियों में से 15 प्रतिशत को भी जम्मू के अन्य आकर्षक स्थलों पर जाने के लिए प्रोत्साहित कर सकें तो 15 लाख पर्यटक बढ़ सकते हैं।

चालू खाता घाटा दूसरी तिमाही में मामूली घटकर जीडीपी के 1.2 प्रतिशत पर : आरबीआई आंकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश का चालू खाता घाटा (कैड) 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में मामूली घटकर 11.2 अरब डॉलर रहा। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.2 प्रतिशत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। देश के बाह्य भुगतान परिदृश्य को बताने वाला कैड 2023-24 की दूसरी तिमाही के दौरान 11.3 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 1.3 प्रतिशत था।

आरबीआई ने कहा, भारत का कैड 2024-25 की दूसरी तिमाही में मामूली रूप से कम होकर 11.2 अरब डॉलर (जीडीपी का 1.2 प्रतिशत) रहा, जो 2023-24 की दूसरी तिमाही में 11.3 अरब डॉलर (जीडीपी का 1.3 प्रतिशत) था। चालू खाता घाटा अप्रैल-सितंबर (2024-25 की पहली छमाही) के दौरान, 21.4 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 1.2 प्रतिशत रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 20.2 अरब डॉलर (जीडीपी का 1.2 प्रतिशत) था। भुगतान संतुलन पर आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वस्तु व्यापार घाटा 2024-25 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 75.3 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 की इसी तिमाही में 64.5 अरब डॉलर था।

शुद्ध सेवा प्राप्तियां 2024-25 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 44.5 अरब डॉलर हो गईं, जो एक साल पहले समान अवधि में 39.9 अरब डॉलर थीं।

कंप्यूटर सेवाओं, व्यापार सेवाओं, यात्रा सेवाओं और परिवहन सेवाओं जैसी प्रमुख श्रेणियों में सेवा निर्यात में सालाना आधार पर वृद्धि हुई है।

आंकड़ों के अनुसार, इसके अलावा, मुख्य रूप से विदेशों में कार्यरत भारतीयों द्वारा भेजे गए धनराशि से संबंधित निजी हस्तांतरण प्राप्तियां 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में बढ़कर 31.9 अरब डॉलर हो गईं, जो 2023-24 की दूसरी तिमाही में 28.1 अरब डॉलर थी।

एनसीएलटी ने हीरो इलेक्ट्रिक के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने परिचालन ऋणदाता मेट्रो टायर्स की याचिका पर हीरो इलेक्ट्रिक के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया है।

मेट्रो टायर्स ने हीरो इलेक्ट्रिक के खिलाफ 1.85 करोड़ रुपए की भुगतान चूक का दावा करने वाली याचिका दायर की थी।

ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) के प्रावधानों के अनुरूप एनसीएलटी ने हीरो इलेक्ट्रिक के निदेशक मंडल को निलंबित करने के बाद कंपनी के संचालन के लिए भूपेश गुप्ता को अंतरिम समाधान पेशेवर नियुक्त किया है। एनसीएलटी की दिल्ली पीठ ने परिचालन ऋणदाता के साथ पहले से चल रहे विवाद की हीरो इलेक्ट्रिक की दलीलों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह 'कोरी झूठी या कमजोर कानूनी दलील नहीं है।'

मेट्रो टायर्स की याचिका पर हीरो इलेक्ट्रिक की तरफ से उठाई गईं आपत्तियां 'कानूनी रूप से मान्य' नहीं पाई गईं। कंपनी को टायर और ट्यूब की आपूर्ति करने वाली मेट्रो टायर्स ने इन्हें विधिवत नकार दिया है।

एनसीएलटी ने अपने फैसले में कहा, मौजूदा तथ्यों और परिस्थितियों में हमारा मानना है कि कॉरपोरेट देनदार पहले से 'विवाद' होने के बारे में कोई उचित तर्क नहीं दे पाया है। लिहाजा आईबीसी, 2016 की धारा नौ के तहत दायर की गई वर्तमान याचिका को स्वीकार किया जाना चाहिए।

तमिलनाडु के राज्यपाल और गोवा के मुख्यमंत्री ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन, तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि और अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया और उनके आर्थिक सुधारों की सराहना की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

रवि ने सिंह को बुद्धिमत्ता, विनम्रता और ईमानदारी की प्रतिमूर्ति बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने भारत की अर्थव्यवस्था में अमूल्य योगदान दिया और चुनौतीपूर्ण समय में देश का मार्गदर्शन किया। राजभवन की ओर से सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में रवि के हवाले से कहा गया, सार्वजनिक सेवा के प्रति उनका समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार, दोस्तों और शुभचिंतकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। ओम शांति।

तमिलनाडु राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ई.के. पलानीस्वामी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री की मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को आकार दिया। उन्होंने बृहस्पतिवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विकास के 'एलपीजी (उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण) मॉडल' की शुरूआत ने देश के लिए एक नया रास्ता तैयार किया। एक महान अर्थशास्त्री, सक्षम प्रशासक और एक अनुकरणीय राजनेता के रूप में उनका योगदान देश के इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, उनका निधन राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में सावंत ने लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। उन्होंने लिखा, भारत के विकास में डॉ. सिंह के अपार योगदान को हमेशा कृतज्ञता और सम्मान के साथ याद किया जाएगा। उनके परिवार और शुभचिंतकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करे। ओम शांति।

पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन और मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उपराज्यपाल ने बृहस्पतिवार रात जारी अपने शोक संदेश में कहा कि उन्हें आर्थिक सुधारों के वास्तुकार' के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह का सभी सम्मान करते थे और देश के विकास और प्रगति में उनका योगदान सराहनीय था। मुख्यमंत्री रंगासामी ने एक संदेश में पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, मनमोहन सिंह विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री थे और भारत का गौरव थे। सिंह के उत्कृष्ट आर्थिक सुधार असाधारण रूप से प्रशंसनीय थे।''

नारायणसामी ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी नारायणसामी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शुक्रवार को गहरा दुख व्यक्त किया।

नारायणसामी ने अपने शोक संदेश में दिवंगत नेता के साथ अपने संबंधों को याद किया। मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में नारायणसामी राज्य मंत्री थे।

नारायणसामी ने कहा कि दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री की विदेश नीति और वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण ने अमेरिका और रूस सहित कई देशों से प्रशंसा अर्जित की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह के दस साल के कार्यकाल के दौरान देश की अर्थव्यवस्था नयी ऊंचाइयों पर पहुंची।

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था ने 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। पुडुचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए बड़ी क्षति है... मैं उनके निधन से अत्यंत दुखी महसूस कर रहा हूं।

मनमोहन सिंह शक्तिशाली प्रशासक थे जिन्होंने दृढ़ता से फैसले लिए : पूर्व कैबिनेट सचिव चंद्रशेखर

तिरुवनंतपुरम। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए पूर्व केंद्रीय कैबिनेट सचिव के एम चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि सिंह एक शक्तिशाली प्रशासक थे, जिन्होंने मजबूत निर्णय लिए। चंद्रशेखर ने एक टीवी चैनल से कहा, 1991 में उदारीकरण नीति लागू करने के उनके फैसले ने इतिहास बदल दिया।

उन्होंने कहा, मैंने कई मंत्रियों के साथ काम किया है और उनमें से कई (जिनमें मनमोहन सिंह भी शामिल हैं) वास्तव में सज्जन हैं, लेकिन सिंह के लिए उनका सज्जन स्वभाव उनकी कमजोरी नहीं बल्कि अद्भुत ताकत थी। चंद्रशेखर ने सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए उनके साथ कैबिनेट सचिव के रूप में काम किया था।

उन्होंने कहा कि 1991 में, 2008-09 के आर्थिक संकट के दौरान, असैन्य परमाणु समझौते, सेतुसमुद्रम परियोजना और 26/11 के हमलों के दौरान हमने उनकी मजबूत निर्णय लेने की शक्ति देखी। चंद्रशेखर ने कहा, मैं मनमोहन सिंह को कैबिनेट सचिव के रूप में अपने कार्यकाल से भी पहले से जानता हूं। मैंने उनसे पहली बार तब बातचीत की थी जब मैं केरल का वित्त सचिव था। चंद्रशेखर ने कहा कि उन्होंने केन्द्रीय वित्त मंत्री के रूप में उनके (मनमोहन सिंह) कार्यकाल के दौरान केरल की वित्तीय चिंताओं के बारे में सिंह से संपर्क किया था।

उन्होंने कहा, 1996 में जब राज्य गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहा था, तब मैंने तत्कालीन वित्त मंत्री सी वी पद्मराजन के साथ राजभवन में उनसे मुलाकात कर सहायता मांगी थी। इसके बाद 50 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे। भारत के आर्थिक सुधारों के शिल्पकार सिंह का 92 वर्ष की आयु में बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया।

तमिलनाडु में छात्रा यौन उत्पीड़न

प्रदेश भाजपा प्रमुख अन्नामलाई ने खुद को कोड़े मार कर जताया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर/चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के अन्नामलाई ने चेन्नई में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर एक कॉलेज की छात्रा से यौन उत्पीड़न के मामले पर राज्य पुलिस के रवैये को लेकर शुक्रवार को खुद को कोड़े मारकर विरोध जताया। हरे रंग की धोती पहने अन्नामलाई ने अपने आवास के सामने अपनी पार्टी के कार्यकर्ता से कोड़ा लेकर उससे कई बार खुद पर वार किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता उनके आसपास खड़े होकर महिला की शिकायत से संबंधित प्राथमिकी के कथित तौर पर लीक होने के लिए पुलिस की निंदा करते हुए तख्तियां दिखा रहे थे।

अन्नामलाई ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए नाटकीय ढंग से अपने जूते उतार दिए और घोषणा की कि जब तक सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार नहीं गिर जाती, तब तक वह जूते नहीं पहनेंगे। पूर्व आईपीएस अधिकारी ने राज्य पुलिस पर कथित यौन उत्पीड़न की पीड़ित छात्रा की पहचान जानबूझकर उजागर करने का आरोप लगाया। राज्य के प्रमुख तकनीकी अन्ना विश्वविद्यालय के अंदर हुई इस घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। द्रमुक के संगठन सचिव आरएस भारती ने अन्नामलाई के आंदोलन

पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनका विरोध एक तमाशा बन गया है। भारती ने चेन्नई में संवाददाताओं से कहा, मुझे संदेह है कि भाजपा इस कोड़े मारने वाले आंदोलन को स्वीकार करेगी। क्या कोई खुद को कोड़े मारेगा? मैं 60 साल से राजनीति में हूं। किसी नेता ने ऐसा कुछ नहीं किया है। उन्होंने मजाक बनाते हुए कहा कि शायद किसी ज्योतिषी ने अन्नामलाई को भाजपा में उच्च पद पाने के लिए यह उपाय करने को कहा होगा।

भारती ने जानना चाहा कि मणिपुर की घटनाओं या पोलाची में यौन उत्पीड़न मामले या भाजपा शासित राज्यों में रोजाना होने वाली घटनाओं के संबंध में अन्नामलाई ने खुद को कोड़े क्यों नहीं मारे? भारती ने कोड़े मारने वाले विरोध प्रदर्शन को 'मजाक' करार देते हुए दावा किया कि लोग इस पर हंस रहे हैं। द्रमुक के सत्ता से बाहर होने तक चप्पल नहीं पहनने की अन्नामलाई की प्रतिज्ञा पर भारती ने कहा, फिर तो वह (अन्नामलाई) जीवन भर नंगे पैर रहेंगे। यह उनकी पसंद है। हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री पी के शेखर बाबू ने कहा कि मुरुगन मंदिरों की तीर्थयात्रा पर जाने वाले भक्त आमतौर पर नंगे पैर चलते हैं। उन्होंने अन्नामलाई पर यहां संवाददाताओं से कहा, यहां तक कि मैं भी मंदिर जाते समय चप्पल नहीं पहनता। उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेझियान ने कहा कि कानून ने अपना काम किया और संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया तथा जांच जारी है। चेझियान ने आज (शुक्रवार) सुबह विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण करने तथा अधिकारियों के साथ चर्चा करने के बाद चेन्नई में संवाददाताओं से कहा, राज्य सरकार या मुझे इस घटना से राजनीतिक लाभ लेने की कोई आवश्यकता नहीं है और न ही हम उन लोगों को बढ़ावा देना चाहते हैं जिनके पास राजनीतिक मुद्दे नहीं हैं लेकिन वे लड़की की दुर्दशा पर राजनीति करने के लिए आतुर हैं।

मंत्री ने कहा कि गिरफ्तार किया गया संदिग्ध बिरयानी की दुकान करता था और वह अपनी पत्नी को विश्वविद्यालय में छोड़ता था। संदिग्ध की पत्नी विश्वविद्यालय में अस्थायी कर्मचारी के रूप में काम करती थी।

तमिलनाडु में छात्रा यौन उत्पीड़न

मामले को निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई को सौंपा जाए : अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने पुलिस और तमिलनाडु के एक मंत्री के बयानों में विसंगतियों का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को मांग की कि शहर की छात्रा से यौन उत्पीड़न के मामले को निष्पक्ष जांच के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया जाये। इस मामले में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) से जुड़े एक व्यक्ति को बचाने का प्रयास किए जाने का दावा करते हुए अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा कि सच्चाई तभी सामने आएगी जब केंद्रीय एजेंसी जांच अपने हाथ में लेगी।

पलानीस्वामी ने यहां पत्रकारों से कहा, पुलिस आयुक्त का कहना है कि पुलिस को अन्ना विश्वविद्यालय से 100 नंबर पर कॉल आया था, लेकिन उच्च शिक्षा मंत्री (गोवी चेझियान) का दावा है कि पीड़ित छात्रा ने खुद पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। यह स्पष्ट है कि घटना में किसी की संलिप्तता को छुपाने का प्रयास किया जा रहा है।

यौन उत्पीड़न की घटना को ''दुर्भाग्यपूर्ण'' बताते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य में महिलाओं की सुरक्षा की कमी को दर्शाता है। पलानीस्वामी ने कहा, अन्नाद्रमुक सच्चाई सामने लाने और जांच को सही दिशा में ले जाने के लिए सीबीआई से निष्पक्ष जांच की मांग करती है।

उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की विफलता का आरोप लगाया और कहा कि वह जल्द ही तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि को राज्य में हो रहे भ्रष्टाचार और अपराध'' को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपेंगे और राज्य सरकार के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग करेंगे।

केरल के निलंबित आईएएस अधिकारी ने आरोपपत्र पर स्पष्टीकरण मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में 'कलेक्टर ब्रो' नाम से मशहूर आईएएस (भारतीय प्रशासनिक अधिकारी) अधिकारी एन प्रशांत ने उनके खिलाफ जारी किए गए आरोपपत्र के बारे में मुख्य सचिव से स्पष्टीकरण मांगा है। प्रशांत को वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों के लिए निलंबित कर दिया गया था।

प्रशांत ने 16 दिसंबर 2024 को मुख्य सचिव को लिखे अपने पत्र में कहा, इस अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रकृति विशेष रूप से जब यह अप्रमाणित, छेड़छाड़ कर और चुनिंदा स्क्रीनशॉट पर आधारित हो तो यह अपने आप में प्रक्रियात्मक औचित्य के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करती है।

उन्होंने पत्र में गंभीर सवाल उठाए कि किसी विशेष सोशल मीडिया मंच की तस्वीरों पर आधिकारिक संज्ञान कैसे लिया गया जबकि पहले इसे फाइल में शामिल करने और उसके बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए कई प्रक्रियाएं अपनाई गई थीं। प्रशांत ने कहा कि यह ध्यान देने वाली बात है कि आरोप पत्र जारी करने या निलंबन से पहले उनसे कोई स्पष्टीकरण नहीं मांगा गया था। प्रशांत ने पत्र में कहा कि आरोप पत्र से अब यह स्पष्ट है कि उन दो आईएएस अधिकारियों द्वारा कोई औपचारिक शिकायत या प्रतिनिधित्व प्रस्तुत नहीं किया गया, जिनके खिलाफ उन्होंने आरोप लगाए थे।

उन्होंने पत्र में जिक्र किया कि जिस प्रक्रिया के माध्यम से कथित सोशल मीडिया स्क्रीनशॉट को आधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल किया गया है, वह स्पष्ट नहीं है। प्रशांत ने यह भी जानना चाहा कि क्या ये सामग्री सक्षम चैनलों के

माध्यम से खरीदी गई थी और क्या किसी अधिकृत प्राधिकारी द्वारा उनकी प्रामाणिकता का पता लगाया गया था।

इसके अलावा उन्होंने यह भी जानना चाहा कि यह पुष्टि करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं कि सामग्री, खास तौर पर स्क्रीनशॉट, छेड़छाड़ रहित और बिना किसी बदलाव के हैं। प्रशांत ने मुख्य सचिव को लिखे अपने पत्र में लिखा, कृपया इन दस्तावेजों का विवरण प्रस्तुत करें और उनके संज्ञान, संग्रह, प्रसारण और 'चार्ज मेमो' में शामिल करने के लिए जिम्मेदार अधिकारी को निर्दिष्ट करें। उन्होंने मुख्य सचिव से अनुरोध किया है कि वे परिस्थितियों और उनके द्वारा उठाए गए प्रक्रियात्मक संदेहों के मद्देनजर विशिष्ट विवरण प्रदान करें। पिछले महीने केरल की वामपंथी सरकार ने अनुशासन के उल्लंघन के लिए दो आईएएस अधिकारियों के गोपालकृष्णन और एन प्रशांत को निलंबित कर दिया था। केरल सरकार द्वारा गोपालकृष्णन और प्रशांत के खिलाफ जारी निलंबन आदेश में सेवा नियमों के उल्लंघन व गंभीर अनुशासनहीनता का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया कि गोपालकृष्णन के कृत्य ने अखिल भारतीय सेवा संवर्ग के भीतर फूट डाली, जबकि प्रशांत के आचरण ने राज्य के प्रशासनिक तंत्र की सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाया।

कॉनकॉर्ड एनवायरो का शेयर पहले दिन 18 प्रतिशत से अधिक चढ़ा

चेन्नई/नई दिल्ली। कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को कारोबार के पहले दिन 701 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 18 प्रतिशत से अधिक बढ़त में रहा। बीएसई में शेयर 18.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 832 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार दौरान यह 22.67 प्रतिशत बढ़कर 859.95 रुपये पर पहुंच गया। अंत में कंपनी का शेयर 18.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 828.45 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई में कंपनी का शेयर 17.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 826 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 17.98 प्रतिशत की तेजी के साथ 827.10 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,714.58 करोड़ रुपये रहा।

कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 10.67 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 665-701 रुपये प्रति शेयर रखा गया था।

कुंभ मेले के लिए मैसूरु से लखनऊ जंक्शन तक विशेष ट्रेन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंभ मेले में आने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण पश्चिम रेलवे एक तरफा विशेष ट्रेन चलाएगा। ट्रेन नं. 06216 मैसूरु-लखनऊ जंक्शन वन-वे स्पेशल एक्सप्रेस, रविवार, 29 दिसंबर को 00:30 बजे मैसूरु से रवाना होगी और मंगलवार, 31 दिसंबर को 04:00 बजे लखनऊ जंक्शन पहुंचेगी। यह ट्रेन मंड्या, केएसआर बेंगलूरु, यशवंतपुर जंक्शन, तुमकुरु, अरसीकेरे जंक्शन, कदुर, चिकजाजुर जंक्शन, दावणगेरे, हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली जंक्शन, धारवाड़, बेलगावी, घाटप्रभा, मिराज जंक्शन, सांगली, कराड, पुणे जंक्शन, दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, मनमाड जंक्शन, भुसावल जंक्शन, खंडवा, तलवड्या, छनेरा, खिरकिया, हरदा, बानापुरा, इटारसी जंक्शन, भोपाल जंक्शन, बीना जंक्शन, झाँसी और कानपुर सेंट्रल जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में 20 कोच होंगे, जिनमें 11 द्वितीय सामान्य श्रेणी के कोच, 7 स्लीपर क्लास के कोच और 2 एसएलआर/डी शामिल होंगे।

केरल में 'मार्को' की पायरेटेड प्रतियां वितरित करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। हाल ही में रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'मार्को' की पायरेटेड कॉपी प्रसारित करने के आरोप में शुक्रवार को एक युवक को गिरफ्तार किया गया। हनीफ अडेनी द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर 20 दिसंबर को रिलीज हुई थी और इसमें उन्नी मुकुंदन मुख्य भूमिका में हैं। पुलिस ने बताया कि कोच्चि साइबर अपराध पुलिस ने अलुवा निवासी 21 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसने इंस्टाग्राम पर पायरेटेड कॉपी का लिंक साझा किया था। यह गिरफ्तारी बृहस्पतिवार को निर्माता शेरिफ मोहम्मद द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद हुई। शिकायत में आरोप लगाया था कि फिल्म का पायरेटेड संस्करण सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि अपनी शिकायत में शेरिफ ने कहा कि फिल्म के अवैध वितरण से काफी वित्तीय नुकसान होगा।

कर्नाटक कांग्रेस ने अधिवेशन स्थल पर मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। पार्टी नेताओं ने श्रद्धांजलि उस स्थान पर दी, जहां महात्मा गांधी की अध्यक्षता में 1924 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन के शताब्दी समारोह के लिए विशाल सम्मेलन की योजना बनाई थी। डॉ. मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को निधन हो गया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित कांग्रेस के कई नेताओं ने बृहस्पतिवार को शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित कांग्रेस कार्यसमिति की विस्तारित बैठक में हिस्सा लिया।

उन्हें आज (शुक्रवार को) यहां जय बापू-जय भीम-जय संविधान' नाम के एक विशाल सम्मेलन को संबोधित करना था लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री सिंह के निधन के बाद यह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। खरगे, राहुल गांधी और दिल्ली कांग्रेस कमेटी के कई नेता दिल्ली वापस आ गए हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख डीके शिवकुमार, राज्य के मंत्रियों और विधायकों सहित अन्य नेताओं ने इस विशाल सम्मेलन के लिए निर्धारित स्थल पर सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सिद्दरामय्या ने अपने संबोधन में कहा, मनमोहन सिंह एक महान अर्थशास्त्री और बहुत विनम्र इंसान थे। उन्होंने कहा, वह (मनमोहन सिंह) नरम स्वभाव के, मृदुभाषी और कम बोलने वाले व्यक्ति थे। मुझे नेता प्रतिपक्ष (राज्य विधानसभा) और कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में उनसे कई बार मिलने का अवसर मिला। वह सभी के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते थे और सभी को धैर्यपूर्वक सुनते थे। वह सीधे तौर पर बताते थे कि उनसे जो कहा या अनुरोध किया गया है, वह होगा या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंह एक ईमानदार प्रधानमंत्री थे और उन्होंने अपने करियर में विभिन्न पदों पर काम किया। सिद्दरामय्या ने कहा कि सिंह ने पदों के साथ न्याय किया तथा देश के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं का समाधान खोजने का प्रयास किया। वहीं शिवकुमार ने मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियों और देश की प्रगति में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री से कहा कि वे बेंगलूरु विश्वविद्यालय में सिंह की आर्थिक नीति पर एक बड़ा शोध केंद्र स्थापित करने की संभावना तलाशें। उपमुख्यमंत्री ने कहा, हम सरकार के स्तर पर और कैबिनेट में इस पर आवश्यक निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि सिंह की नीतियों ने समाज के सभी वर्गों को प्रभावित किया है। शिवकुमार ने कहा, उनका (मनमोहन सिंह का) भले ही निधन हो गया हो लेकिन उनके कार्यक्रम अब भी जीवित हैं।

जयपुर में शुक्रवार को जंतर मंतर पर ठंड के दिन बारिश के बीच लोग छतरियों के नीचे आनंद लेते हुए

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, कई जगह बारिश

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और एक पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते शुक्रवार को कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, बीते चौबीस घंटे में राज्य में कई जगह बादलों की गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। इस दौरान सीकर, अजमेर, झुंझुनू, नागौर, चुरू तथा हनुमानगढ़ जिले में कई जगह बारिश हुई। राज्य के अनेक इलाकों में शुक्रवार को भी घने से अति घना कोहरा छाया रहा। कई दिनों से अनेक इलाके कड़ाके की सर्दी की चपेट में है। बीते चौबीस घंटे में निम्नतम न्यूनतम तापमान चुरू में 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से कोटा, जयपुर, अजमेर, भरतपुर, उदयपुर संभाग तथा शेखावाटी संभाग के कुछ भागों में बादलों की गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश व कहीं कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है। इसी तरह जोधपुर व बीकानेर में कहीं कहीं हल्की बारिश होने का अनुमान है।

मनमोहन सिंह के निधन पर राजस्थान में सात दिन के राजकीय शोक की घोषणा

जयपुर। राजस्थान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर राज्य में सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। यह कदम केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के तहत उठाया गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार राज्य सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदेश में सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है।

बयान में कहा गया है कि सिंह के सम्मान में राज्य में 26 दिसंबर से एक जनवरी 2025 तक सात दिन का राजकीय शोक रहेगा, राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे तथा कोई भी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा। भारत में 'आर्थिक सुधारों के जनक' मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

जीप की टक्कर से दो युवकों की मौत

जयपुर। राजस्थान में डूंगरपुर जिले के चौरासी थाना क्षेत्र में जीप की टक्कर से मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि चौरासी थाना क्षेत्र के वडा कला गांव के रहने वाला कल्पेश परमार (22) एवं उसका साथ महेश चंद्र कोटेड (40) कल रात को मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे कि गेंजी घाटा में जीप ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी।

राज्य सरकार ने डीप फेक से सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। डीप फेक एवं आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस का दुरूपयोग कर सोशल मीडिया पर गलत खबरें फैलाने की बढ़ती हुई घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इससे आमजन में साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। एजवाइजरी के माध्यम से व्यक्तियों और संगठनों को डीपफेक के संभावित खतरों को पहचानने और उनसे बचाव के लिए सुझाव दिये गए हैं। डीपफेक एक तकनीक है जिसमें एआई का उपयोग कर यथार्थ और विश्वसनीय लगने वाले नकली वीडियो, चित्र और ऑडियो बनाए जाते हैं। इसके माध्यम से गलत सूचनाएं फैलाने, साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय ठगी करने का काम किया जाता है।

इसका उपयोग किसी भी व्यक्ति या संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए भी किया जा सकता है। घोटालेबाजों द्वारा डीपफेक तकनीक का उपयोग कर परिवार के सदस्यों या परिचितों का प्रतिरूपण कर धन हस्तांतरण या संवेदनशील वित्तीय जानकारी जुटा कर उसका दुरूपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा डीपफेक के माध्यम से सार्वजनिक हस्तियों या

घटनाओं का नकली वीडियो बनाकर आमजन को भ्रमित किये जाने का जोखिम भी है। डीपफेक से बचने के लिए उसे पहचानना जरूरी है। असामान्य भावभंगिमाएं, सिंथेटिक रूप रंग, रोबोट जैसी आवाज एवं असंगत प्रकाश व्यवस्था जैसे संकेतों से डीपफेक की पहचान की जा सकती है। डीपफेक से बचाव के लिए जरूरी है कि बिना विश्वसनीय स्रोत के किसी भी डिजिटल सामग्री को सोशल मीडिया पर साझा नहीं करना चाहिये।

किसी भी सूचना की वास्तविकता का आकलन करके ही शेयर करें। इसके अतिरिक्त अनचाहे संदेश या अनुरोध प्राप्त होने पर उसे बिना सत्यापित करे कोई कार्यवाही न करें। साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह भी जरूरी है कि व्यक्ति ऑनलाइन साझा किये जाने वाली सूचनाओं खासकर व्यक्तिगत सूचनाओं की मात्रा को सीमित करें। खास तौर पर हाई रेजोल्यूशन वाली तस्वीरें और वीडियो क्योंकि इनका दुरूपयोग डीपफेक बनाने के लिए आसानी से किया जा सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स को सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर गोपनीयता की सेटिंग का उपयोग कर लोगों की पहुंच नियंत्रित करनी चाहिये। साथ ही अपने खातों को हैकिंग प्रयासों से रोकने के लिए मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करना चाहिये। राज्य सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी में संगठनों के लिए भी रणनीतियाँ जारी की गई हैं। इसमें ऑनलाइन फोटो, वीडियो अथवा डॉक्यूमेंट जारी करते समय डिजिटल वाटरमार्क का उपयोग करना, डिजिटल संचार के लिए कड़े सत्यापन, प्रोटोकॉल स्थापित करना तथा संवेदनशील लेन देन के लिए मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन और कॉल बैक जैसी प्रक्रियाएं अपनाने के दिशा–निर्देश दिये गए हैं। इसके अतिरिक्त डीपफेक सामग्री की पहचान के लिए उन्नत पहचान उपकरण काम में लेने और उनके नियमित अपडेशन का सुझाव दिया गया है। संगठन अपनी डिजीटल फोरेंसिक क्षमताओं को बढ़ाकर तथा संगठन को प्रभावित कर सकने वाली संभावित डीपफेक सामग्री के लिए सोशल मीडिया और सार्वजनिक चैनलों की सक्रिय रूप से निगरानी कर डीपफेक के संभावित खतरे को कम कर सकते हैं।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा वसुंधरा राजे सहित तमाम नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताते हुए इसे देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। राज्यपाल बागडे ने पूर्व प्रधानमंत्री सिंह के निधन पर गहरा शोक जताते हुए कहा कि उनका निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री शर्मा ने शोक जताते हुए 'एक्स' पर लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारजनों के साथ हैं। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। पूर्व मुख्यमंत्री राजे, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष

वासुदेव देवनानी, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पालयट सहित तमाम नेताओं ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति : अशोक गहलोत

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताते हुए इसे देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। गहलोत के अनुसार प्रधानमंत्री के रूप में सिंह के कार्यकाल को अधिकार आधारित राजनीति की शुरुआत के लिए भी याद रखा जाएगा। सिंह का बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में निधन हो गया। वे 92 साल के थे। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ साहब सरल, सौम्य एवं ईमानदार व्यक्तित्व के धनी थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा, भारत के आर्थिक विकास, अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता एवं दुनिया में भारत को आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में मनमोहन सिंह जी का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में भारत को नई दिशा देने वाला आर्थिक उदारीकरण जैसा बड़ा कदम उठाया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में सिंह के कार्यकाल में राजस्थान को विशेष सहयोग मिला जिससे कारण पचपदरा रिफाइनरी जैसी बड़ी सौगात राज्य को मिली। उन्होंने कहा, आपके कार्यकाल को अधिकार आधारित राजनीति की शुरुआत के लिए भी याद रखा जाएगा। गहलोत ने लिखा, एक सामान्य पृष्ठभूमि से निकलकर अर्थशास्त्री, रिजर्व बैंक के गवर्नर, वित्त मंत्री, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं प्रधानमंत्री पद तक का आपका सफर सभी के लिए प्रेरणादायक है। आपको हमेशा याद किया जाएगा डॉ मनमोहन सिंह जी।

जिला कलक्टर की रात्रि चौपाल में विकास कार्यों को मिली गति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डूंगरपुर। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने गुरुवार को पंचायत समिति बिछीवाड़ा की ग्राम पंचायत रामपुर मेवाड़ा में रात्रि चौपाल की। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुर मेवाड़ा में आयोजित रात्रि चौपाल में जिला कलक्टर सिंह ने ग्रामीणों की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने पीएम सूर्य घर योजना की जानकारी दी। वहीं, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि किसी को 15 दिन से अधिक खांसी रहती है, तो जांच करवाएं। यदि टीबी रोग पाया जाता है तो उस व्यक्ति का मुफ्त इलाज किया जाएगा और छह माह तक प्रतिमाह 1000 रूपये की सहायता राशि दी जाती है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, नि:शुल्क जांच योजना, टीकाकरण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि योजनाओं की जानकारी दी। पंचायती राज विभाग, जल संसाधन एवं अभियांत्रिकी विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, कृषि, शिक्षा विभाग सहित सभी विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं की जानकारी दी। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं एवं धात्री महिलाओं में हीमोग्लोबीन की कमी पाई जाती है। इस कारण माता और शिशु दोनों को खतरा रहता है। ऐसी महिलाएं समय–समय पर जांच करवाएं और चिकित्सक की सलाह लें। इसमें लापरवाही न बरतें। उन्होंने बताया कि गभर्वती और धात्री महिलाओं में हीमोग्लोबीन की कमी की वजह से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जन जागरुकता और जांच के लिए जल्द चिकित्सा विभाग एवं जिला प्रशासन की ओर से अभियान चलाया जाएगा। क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए तहसीलदार एवं ब्लॉक विकास अधिकारी को खेल मैदान के लिए स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ ने बताया कि जो परिवदेनाएं आई हैं, उनको नियमानुसार जिला स्तर पर निस्तारित किया जाएगा और जो परिवेदनाएं राज्य स्तर की है उनको समाधान के लिए राज्य सरकार को प्रेषित किया जाएगा।

रात्रि चौपाल में नई आंगनवाड़ी स्वीकृत करने, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय क्रमोन्नत करने, डामरीकरण, सड़क पर डिवाईडर बनवाने, विकट मोड़, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जैर फला (कोड़ियागुण) में विद्यालय भवन व अध्यापकों की कमी, खेल मैदान की कमी, पशु उप स्वास्थ्य केन्द्र खुलवाने, नालफला कोडियागुण में श्मशान घाट बनवाने, सामुदायिक भवन निर्माण, आयुर्वेदिक चिकित्सालय खुलवाने, पटवार भवन बनवाने, राउमावि जैरफला में छात्रावास निर्माण, मां–बांड़ी केन्द्र खुलवाने, वन भूमि पर काबिज काश्तकारों को पट्टे दिलवाने की मांग की। इस पर जिला कलक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार निस्तारण करने के निर्देश दिए।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुर मेवाडा के उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले एवं राज्य स्तरीय हॉकी खेल में चयनित छात्र–छात्राओं को माला पहनाकर और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

भीलवाड़ा में वन विभाग के रेंजर के पास से 1.90 लाख रुपए की संदिग्ध धनराशि बरामद

जयपुर। भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने औचक जांच के दौरान भीलवाड़ा में वन विभाग के एक रेंजर को पकड़ा, जिसके पास से 1.90 लाख रुपये मिले। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार टीम ने मांडलगढ़ रेंज के क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर) पुष्पेन्द्र सिंह को अपने सरकारी वाहन से 1 लाख 90 हजार रुपये की संदिग्ध रिश्वत राशि लेकर भीलवाड़ा जाते हुए पकड़ा।

ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ब्यूरो को गोपनीय सूचना मिली थी कि संदिग्ध आरोपी रेंजर सिंह खनन माफियाओं से मिलीभगत कर वन विभाग की भूमि पर अवैध खनन के लिए दलालों से रिश्वत के रूप में भारी धनराशि एकत्रित करके भीलवाड़ा जा रहा है। मेहरड़ा ब्यूरो की टीम ने शुक्रवार को औचक जांच करते हुए आरोपी सिंह को उसके सरकारी वाहन से 1 लाख 90 हजार रुपये संदिग्ध रिश्वत राशि लेकर भीलवाड़ा जाते हुए पकड़ा। उन्होंने कहा कि सिंह संदिग्ध राशि के बारे में पूछताछ करने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया।

पुलिस ने जैसलमेर में तीन तस्करों को पकड़ा

जयपुर। जोधपुर रेंज की विशेष पुलिस टीम ने जैसलमेर जिले से तीन कुख्यात मादक पदार्थ तस्करों को पकड़ा है। जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि टीम ने विशेष प्रयासों से बृहस्पतिवार को जैसलमेर के भणियाणा इलाके में एक फार्म हाउस से जस्साराम, बाबूराम और चेतनराम को पकड़ा। उन्होंने बताया कि जस्साराम पर 25,000 रुपये का नकद इनाम था और वह पाली, चित्तौड़गढ़ और बाड़मेर जिलों में वांछित था, वहीं जैसलमेर जिला पुलिस को मादक पदार्थ तस्करी के मामले में बाबूराम और चेतनराम की तलाश थी।

कुमार ने बताया कि जस्साराम एक अन्य मादक पदार्थ तस्कर खरताराम के संपर्क में आया और अफीम तस्करी में शामिल हो गया। उन्होंने कहा कि खरताराम ने 2021 में पाली जिले में पुलिस द्वारा घेर लिए जाने के बाद कथित तौर पर खुद को गोली मार ली, इसके बाद जस्साराम ने स्वतंत्र रूप से तस्करी को अंजाम दिया और अपना नेटवर्क फैलाया। कुमार ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान के तहत पुलिस की विशेष 'साइक्लोनर' टीम ने चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा में जस्साराम के ठिकाने पर छापा मारा, लेकिन वह भाग निकला। उन्होंने कहा कि टीम को सूचना मिली थी कि जस्साराम हर दो माह में पार्टी करने गोवा जाता है, जिसके बाद गोवा में उसके नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई गई और उसके दोस्त से संपर्क किया, जिसने बताया कि जस्साराम भणियाणा क्षेत्र में एक फार्म हाउस पर बैठकें करता है।

कुमार ने कहा कि हालांकि उसके पास फार्म हाउस का कोई पता नहीं था, लेकिन उसने फार्म हाउस पर काम करने वाले रसोइए की फोटो उपलब्ध कराई। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि टीम के सदस्यों ने संपत्ति खरीदार के वेश में फार्म हाउस की पहचान करने की कोशिश की, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।

दीया ने ली पीडब्ल्यूडी की समीक्षा बैठक, हादसों में कमी लाने के लिए चलाया जाएगा विशेष अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को पीडब्ल्यूडी की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत, अतिक्रमण हटाने, स्पीड ब्रेकर ठीक करवाने, जेब्रा क्रॉसिंग, साइन बोर्ड सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए हैं।

उपमुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट कर सड़कों की गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन सड़कों का निरीक्षण अधिकारी करेंगे, उनकी रिपोर्ट हर सात दिन में प्रस्तुत करनी होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यदि निरीक्षण की गई सड़कों की गुणवत्ता खराब पाई गई तो निरीक्षण करने वाले अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए सड़क निर्माण में पर्यावरण हितैषी सामग्री का इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने बायो बिटुमिन का उपयोग कर एक सड़क को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बजट घोषणाओं सहित अन्य योजनाओं के तहत बनने वाले पुल, सड़क आदि की डीपीआर बनाने का कार्य सेंट्रलाइज्ड किया जाए, ताकि प्रोजेक्टस को समय पर शुरू कर उन्हें तय अवधि में पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि अक्सर स्थानीय स्तर पर डीपीआर बनाने में देरी के कारण काम समय पर शुरू नहीं हो पाते हैं और जनता को इसका लाभ तय समय पर नहीं मिलता। उपमुख्यमंत्री ने नॉन पेचेबल, पेचेबल सड़कों, बजट घोषणाओं की क्रियान्विति सहित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान राज्य मंत्री डॉ. मजू बाघमार, प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डी.आर. मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव टी.सी. गुप्ता सहित सभी मुख्य अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधीक्षण अभियंता उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने मीराबाई पर की गई टिप्पणी के लिए माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संत कवि मीराबाई के बारे में की गई टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना होने के बाद माफी मांगी है। बृहस्पतिवार को जारी एक वीडियो बयान में मेघवाल ने कहा कि वह मीराबाई का बहुत सम्मान करते हैं और यदि उनके शब्दों से किसी को ठेस पहुंची है तो वह खेद व्यक्त करते हैं तथा क्षमा मांगते हैं। खासकर राजपूत समुदाय ने मेघवाल की टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए माफी की मांग की थी। मेघवाल ने वीडियो बयान में कहा, साधना के शिखर पर विराजमान भक्त शिरोमणि मां मीरा के प्रति मेरे मन में अगाध श्रद्धा एवं आस्था है। मेरे किन्हीं शब्दों से मां मीरा के प्रति भक्ति व श्रद्धा भाव रखने वाले श्रद्धालुओं के मन को किसी भी प्रकार से ठेस पहुंची है तो खेद व्यक्त करते हुए माफी मांगता हूं।

मंत्री ने कहा कि वह खुद मीराबाई के भजन

गाते हैं और उनका अपमान कभी नहीं कर सकते क्योंकि वह उनके जीवन से प्रेरणा लेते हैं। इससे पहले सोमवार को सीकर के पिपराली में श्री श्याम गोशाला में एक कार्यक्रम के दौरान मेघवाल ने कहा था, मीरा का जन्म मेड़ता में हुआ था और उनका विवाह चित्तौड़गढ़ में हुआ था। हम सब इतिहास में पढ़ते हैं कि मीरा के पति ने उनको तंग किया। ऐसा नहीं है... मीरा के पति विवाह के बाद एक साल जिंदा रहे। मीरा के पति की मृत्यु होने के बाद उनके देवर शासक बने। उन्होंने मीरा से कहा कि मुझसे शादी कर लो, तो यहां से झगड़ा शुरू हुआ। उन्हें तंग करने वाला उनका देवर था। उन्होंने कहा, इतिहास में कुछ चीजें अलग तरीके से लिखी होती हैं। कई लोगों ने उनकी इस टिप्पणी की सोशल मीडिया पर आलोचना की। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने टिप्पणी को अपमानजनक बताया। सौलहवीं शताब्दी की रहस्यवादी कवि और कृष्ण की अनन्य भक्त मीराबाई का जन्म 1498 ई. में मेड़ता के शासक राव रतन सिंह के घर 'कुरकी' गांव में हुआ था। ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, मीराबाई का वविाह 1516 ई. में भोजराज से हुआ, जो मेवाड़ के महाराणा सांगा के सबसे बड़े पुत्र थे। भोजराज की अचानक मृत्यु के बाद मीराबाई का सांसारिक जीवन से लगाव कम हो गया और वह संतों की भक्ति और सेवा में लग गईं। मीराबाई के सम्मान में, राजस्थान सरकार ने मेड़ता में राव दूदा गढ़ (किला) का संरक्षण किया है और 2008 में किले में मीराबाई 'पैनोरमा' का निर्माण किया है। पैनोरमा में मूर्तियां, लघुचित्र और शिलालेख हैं जो कवि–संत के जीवन से प्रेरणादायक घटनाओं और महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शाते हैं।

फर्जी वेबसाइट बनाकर महाकुंभ के लिए बुकिंग के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

प्रयागराज/भाषा। महाकुंभ में कॉटेज, टेंट, होटल आदि की बुकिंग के लिए फर्जी वेबसाइट बनाकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का प्रयागराज पुलिस ने शुक्रवार को भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त (नगर) अभिषेक भारती ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से तीन लैपटॉप, छह एंड्रायड फोन और छह एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। भारती ने कहा कि पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने कॉटेज, टेंट, होटल आदि की बुकिंग के लिए महाकुंभ से मिलते-जुलते नामों से विभिन्न फर्जी वेबसाइट बनाई और उनके माध्यम से वे ठहरने की उत्तम व्यवस्था, वीआईपी स्नान और दर्शन आदि विभिन्न प्रकार के आकर्षक प्रलोभन देकर तीर्थयात्रियों से साइबर ठगी कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान बिहार के नालंदा निवासी पंकज कुमार (35), वाराणसी के चौबेपुर निवासी यश चौबे (20), वाराणसी के चौबेपुर निवासी अंकित कुमार गुप्ता (24) और आजमगढ़ के लसड़ा खुर्द निवासी अमन कुमार (29) के रूप में हुई है।

उत्तर प्रदेश के बस्ती में तीन साल की बच्ची से छह-सात वर्ष के तीन लड़कों ने किया दुष्कर्म

बस्ती (उप्र)/भाषा। बस्ती जिले के कलवारी थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन साल की एक बच्ची से छह से सात वर्ष के बीच के तीन लड़कों ने कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया और शिकायत करने पर आरोपियों के परिजनों ने पीड़िता की मां के साथ मारपीट की। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

हरैया के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) संजय सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और तहरीर के आधार पर शुक्रवार को आठ लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 70(2) (नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म) समेत विभिन्न धाराओं और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। सीओ ने बताया कि आरोपियों में तीन नाबालिग बच्चों के अलावा तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बच्ची को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया है और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

संभल में शाही जामा मस्जिद के सामने बनेगी पुलिस चौकी

संभल (उप्र)/भाषा। संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा के बाद पुलिस प्रशासन ने कड़े कदम उठाते हुए कोट पूर्वी मोहल्ले में स्थित शाही जामा मस्जिद के सामने नई चौकी बनाने का फैसला लिया है, जिसके तहत जमीन की नपाई काम काम शुरू हो गया है। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र ने यह जानकारी दी। हालांकि चौकी का नाम क्या होगा इसे लेकर उन्होंने अभी कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। संभल में सुरक्षा की दृष्टि से नई पुलिस चौकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जहां 24 घंटे पुलिस तैनात रहेगी। उल्लेखनीय है कि 24 नवंबर को शाही मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे।

टीम के लिए योगदान करने के लिए दृढ़ हैं वाशिंगटन सुंदर

मेलबर्न/भाषा। ज्यादातर मजबूत बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद भारत को उम्मीद होगी वाशिंगटन सुंदर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करेंगे और तमिलनाडु का यह ऑलराउंडर भी एमसीजी पर अपनी टीम के लिए योगदान देने के लिए दृढ़ है। वाशिंगटन अच्छी तरह से समझते हैं कि भारतीय टीम प्रबंधन आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उससे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है।

ऋषभ पंत (6) और रविंद्र जडेजा (4) भारत की पहली पारी को पांच विकेट पर 164 रन से आगे बढ़ाएंगे जबकि वाशिंगटन अगले नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरेंगे।

वाशिंगटन से जब पूछा गया कि टीम प्रबंधन की उम्मीदों के अनुकूल प्रदर्शन करने के लिए वह अपने खुद को किस तरह तैयार करते हैं तो उन्होंने कहा, ''क्या यह शानदार नहीं है कि टीम चाहती है कि मैं खेल के तीनों पहलुओं में अच्छा प्रदर्शन करूं। यह मेरे लिए एक शानदार मौका है।'' उन्होंने कहा, ''टीम की जो भी जरूरत होगी उसे पूरा करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। मैं चाहे मैच के दौरान किसी भी स्थिति में क्यों नहीं रहूं, यह मैदान पर डटे रहने और सही ऊर्जा से खेलने तथा टीम के लिए काम करने के बारे में है।'' उन्होंने स्वीकार किया कि वे अच्छी स्थिति में नहीं हैं लेकिन उन्होंने यह मानने से इनकार कर दिया कि वे चुनौती नहीं दे सकते। उन्होंने कहा, ''हम बड़ा स्कोर बनाने के लिए अच्छी स्थिति में थे लेकिन हम वापसी करेंगे और कल सुबह संघर्ष जारी रखेंगे।''

सनातन संस्कृति के खिलाफ छद्म धर्मनिरपेक्ष सिंडीकेट से सावधान रहना होगा : नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। महाकुम्भ 2025 की तैयारियों को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साध रहे विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को कहा कि सनातन संस्कृति के खिलाफ षड़यंत्र रचने वाले छद्म धर्मनिरपेक्ष सिंडीकेट से सावधान रहने की जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से इंडी गठबंधन की घटक समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव महाकुम्भ के आयोजन को लेकर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साध रहे हैं। नकवी ने यहां सर्किट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, सनातन संस्कृति के खिलाफ छद्म सेक्युलर सिंडिकेट से सावधान रहना होगा। यह सिंडीकेट सांप्रदायिक फ़साद में सियासी मफ़ाद ढूंढता है। प्रयागराज आये पूर्व मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के रिवाज को समावेशी सशक्तीकरण के मिज़ाज से ध्वस्त किया है और वह आज दुनियाभर में संकट मोचक के तौर पर लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विश्व में धाक मजबूत हुई है और हर भारतीय को गर्व है कि मोदी जी को दुनिया वैश्विक संकट के संकटमोचक के रूप में देख रही है। नकवी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अपराधियों, अराजक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा कि योगी सरकार का दंगाइयों की ठुकाई, बलवाइयों की कुटाई और बाहुबलियों की विदाई से समाज में सुरक्षा का माहौल बना है। उत्तर प्रदेश में 2027 होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा, महत्त्वाकांक्षाओं के मझधार में फंसे कांग्रेस-सपा गठबंधन में जितने छेद हैं उससे ज्यादा उसमें मतभेद हैं। इन छेद को रफू करने के चक्कर में वे विभिन्न चुनावों में निपटते जा रहें हैं।

हाल ही में संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच झड़प की घटना को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कांग्रेस और विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, यह परिवारवादी पार्टी का डिजाइन किया हुआ प्रदर्शन था। उन्होंने वायनाड से सांसद प्रियंका का नाम लिए बगैर कहा, यह परिवार फैमिली के फैशन फोटोग्राफी फन में कभी नीला चोला तो कभी बांग्लादेश-फिलिस्तीन का झोला लेकर लोकतंत्र में धक्का मुक्की करता है।

नकवी ने पूर्व प्रधानमंत्री डाक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मनमोहन सिंह ने जिस तरह से बिना पारिवारिक विरासत के प्रगति की सियासत को परवान चढ़ाया और मजबूती दी, वह अपने आप में अनुकरणीय है।

ओडिशा के भद्रक जिले में शैव, बौद्ध देवताओं की प्राचीन मूर्तियां मिलीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रक (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के भद्रक जिले में बैतरणी नदी के तट पर शैव और बौद्ध देवताओं की प्राचीन मूर्तियां मिली हैं। शोधकर्ताओं ने यह जानकारी दी। ये मूर्तियां इस सप्ताह की शुरुआत में जिले के भंडारीपोखरी प्रखंड के मणिनाथपुर नामक गांव के निकट मिली।

शोधकर्ताओं को शैव और बौद्ध देवताओं की 18 प्राचीन मूर्तियां मिलीं, जो छठी या सातवीं शताब्दी की हैं। उन्होंने बताया कि इन कलाकृतियों में जटिल नक्काशीदार लघु मंदिर और 'अर्घ स्तूप' शामिल हैं। स्थानीय युवक विवेकानंद की नजर सुबह की सैर के दौरान एक मूर्ति पर पड़ी और उन्होंने तुरंत भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत न्यास के सदस्यों और युवा शोधकर्ता विश्वम्भर राउत को इसकी सूचना दी। राउत ने क्षेत्र का निरीक्षण किया और वहां 18 प्राचीन मूर्तियों और छोटे मंदिरों की पहचान की। मूर्तियों में शिव, पार्वती और गणेश जैसे देवी-देवताओं और बुद्ध, तारा और पद्मपाणि जैसे बौद्ध प्रतीकों को दर्शाया गया है। मूर्तियों को संरक्षण और प्रदर्शन के लिए बौद्ध विहार संग्रहालय को सौंप दिया गया।

भद्रक की जिला संस्कृति अधिकारी तनुजा सिरका सिंह ने कहा, ''इन मूर्तियों के बारे में जानकारी मिलने के बाद हमने सदस्यों को सूचित किया, जिसके बाद उन्होंने प्राचीन मूर्तियों को संग्रहालय में रख दिया।''

मनमोहन का निधन व्यक्तिगत क्षति, वह मेरे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे: सोनिया गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन को शुक्रवार को अपने लिए बड़ी व्यक्तिगत क्षति करार दिया और कहा कि वह उनके लिए 'मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक' थे।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी के लोग और भारत के लोग हमेशा इस बात पर गर्व करेंगे तथा आभारी रहेंगे कि मनमोहन सिंह ऐसे नेता थे, जिनका भारत की प्रगति और विकास में योगदान अतुलनीय है। मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात को निधन हो गया। वह 92 साल के थे। वर्ष 2004 से 2014 के दौरान जब सिंह प्रधानमंत्री थे, तो उस समय सोनिया गांधी कांग्रेस और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की प्रमुख थीं। सोनिया गांधी ने शोक संदेश में कहा, ''डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से हमने एक ऐसा नेता खो दिया है, जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता के प्रतीक थे, जिन्होंने पूरे दिल और दिमाग से हमारे देश की सेवा की। वह कांग्रेस पार्टी के लिए मार्गदर्शन करने वाले प्रकाशपुंज थे। उनकी करुणा और दूरदर्शिता ने लाखों भारतीय नागरिकों के जीवन को बदल दिया और सशक्त बनाया।'' सोनिया गांधी के अनुसार, ''मनमोहन सिंह के परामर्श, बुद्धिमत्तापूर्ण सलाह और विचारों की हमारे देश के राजनीतिक क्षेत्र में उत्सुकता से मांग की जाती थी और उन्हें गहराई से महत्व दिया जाता था। दुनिया भर के नेताओं और विद्वानों द्वारा उनका सम्मान और प्रशंसा की गई, उन्हें अपार ज्ञान व कद के राजनेता के रूप में सराहा गया।''

मनमोहन सिंह के निधन के कारण अमित शाह का ओडिशा दौरा स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्र द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में सात दिवसीय शोक की घोषणा के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का शनिवार से प्रस्तावित दो दिवसीय ओडिशा दौरा स्थगित कर दिया गया है। भाजपा के एक नेता ने यहां यह जानकारी दी।

अमित शाह को 29 दिसंबर को यहां कलिंगा स्टेडियम में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के एक कार्यक्रम में शिरकत करनी थी तथा भाजपा सांसदों, विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करने के अलावा कुछ अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होना था।

जाजपुर से भाजपा सांसद रवींद्र नारायण बेहरा ने शुक्रवार को कहा, ''पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण केंद्रीय गृह मंत्री का दौरा स्थगित कर दिया गया है।'' केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार रात को सिंह के निधन पर सात दिन के शोक की घोषणा की है।

हरफनमौला दीप्ति चमकीं, भारत ने वेस्टइंडीज को 3-0 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर छह विकेट चटकाए और फिर बल्ले से भी योगदान दिया जिससे भारत ने शुक्रवार को यहां तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

दीप्ति के शानदार प्रदर्शन और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर (29 रन देकर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी से भारत ने वेस्टइंडीज को 162 रन पर समेट दिया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम शीर्ष क्रम के चरमराने के बावजूद 28.2 ओवर में जीत दर्ज करने में सफल रही।

भारत ने 73 रन के स्कोर पर चार विकेट खो दिये थे लेकिन दीप्ति (48 गेंद में नाबाद 39 रन) के अनुभव के बूते टीम 21 ओवर पहले लक्ष्य तक पहुंच गई। विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष 11 गेंद में 23 रन बनाकर नाबाद रहीं। पिछले मैच की शतकवीर हरलीन देओल (01) के आउट होने के बाद भारत का स्कोर दो विकेट पर 23 रन था लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एफी फ्लेचर की गेंद पर आउट होने से पहले 22 गेंद में 32 रन की पारी खेली।

अपनी पारी के दौरान हरमनप्रीत ने सात चौके जमाये और एक बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में आउट हो गईं।

फॉर्म में चल रही उप कप्तान स्मृति मंधाना (4) जल्दी आउट हो गईं जिन्हें अश्मिनी मुनिसार ने आलिया एलेने की गेंद पर एक हाथ से कैच लेकर आउट किया। वहीं देओल भी डियांड्रा डॉटिन की ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर बल्ला छुआकर विकेटकीपर शेमेन कैंपबेल को कैच देकर पवेलियन पहुंच गईं। मध्यक्रम बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने 45 गेंद में 29 रन की पारी खेली।

मणिपुर के इंफाल ईस्ट में गोलीबारी और बमबारी, लोगों में दहशत

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले के दो गांवों में शुक्रवार को पहाड़ी क्षेत्र के हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी और बमबारी शुरू कर दी और इस हमले से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सनसाबी और थमनापोकपी गांवों में हुए हमलों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई से दोनों गांवों में भारी गोलीबारी हुई। अधिकारी ने बताया, ''पहाड़ी से हथियारबंद लोगों ने सुबह करीब 10 बजकर 45 मिनट पर सनसाबी गांव और आस-पास के इलाकों में अंधाधुंध गोलीबारी और बमबारी करना शुरू कर दिया, जिसके कारण सुरक्षाकर्मियों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी।''

हथियारबंद लोगों और सुरक्षाकर्मियों के बीच गोलीबारी शुरू होने पर स्थानीय लोग इधर-उधर भागने लगे। अधिकारी ने बताया, ''हथियारबंद लोगों ने पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे जिले के थामनपोकपी गांव में भी हमला किया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।'' केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कर्मियों सहित सुरक्षा बलों ने गोलीबारी के बीच फंसी कई महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की जान बचाई।

बिना सुनवाई के अंतहीन कारावास संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है: उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल में कहा कि बिना सुनवाई के अंतहीन कारावास संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है और इसके साथ ही उसने धोखाधड़ी के एक मामले में 2022 में गिरफ्तार किये गये एक व्यक्ति को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने कहा कि यदि किसी आरोपी को मामले में समय पर सुनवाई के बिना लंबे समय तक कारावास में रहना पड़ता है, तो अदालतें आमतौर पर उसे जमानत पर रिहा करने के लिए बाध्य होंगी। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार से संबंधित है। न्यायाधीश ने कहा कि इस मामले में आरोप अभी तय नहीं किए गए हैं और अभियोजन पक्ष ने पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के लिए बार-बार स्थगन का अनुरोध किया है और आरोपी की अंतिम जमानत याचिका खारिज हुए एक साल हो गया है। अदालत ने 24 दिसंबर को कहा, ''याचिकाकर्ता ने दो साल से अधिक समय हिरासत में बिताया है। निकट भविष्य में सुनवाई पूरी होने की कोई संभावना नहीं है। ऐसी परिस्थितियों में, गवाहों की गवाही दर्ज नहीं किये जाने के कारण आवेदक को अंतहीन अवधि के लिए कारावास में रखना भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है।''

आपसी कलह के बीच प्रासंगिकता के लिए जूझती रहा भारतीय टेनिस

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय टीम के लिए बड़े खिलाड़ियों की बेरुखी और संचालन संस्था के अंदरूनी कलह के कारण साल 2024 भारतीय टेनिस काफी हद तक निराशाजनक रहा है।

अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) और खिलाड़ियों के बीच मतभेद कोई नई बात नहीं है लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी थी और खिलाड़ियों की चिंताओं को दूर करने के प्रयास लगभग नहीं के बराबर दिखे। इन सब का परिणाम यह हुआ कि देश में इस खेल का स्तर लगातार नीचे की ओर गिरता जा रहा है। एआईटीए अध्यक्ष अनिल जैन पर व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने पद का उपयोग करने का आरोप लगा। उन्होंने इस मामले में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने से इनकार कर दिया लेकिन काफी हाय तौबा के बाद अपना पद छोड़ने के लिए राजी हुए। साल के आखिर में प्रशासकों की एक नई टीम ने भारतीय टेनिस को बदलने का वादा करते हुए चुनाव जीता, लेकिन दो पूर्व खिलाड़ियों द्वारा दायर एक रिट याचिका ने उन्हें पदभार संभालने से रोक दिया जिससे उनकी घोषित सुधार प्रक्रिया को शुरू करने में विलंब हो रहा है। इन खिलाड़ियों ने एआईटीए के चुनाव में खेल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया।

एमसीजी पर कोहली का मजाक उड़ाया गया, मैदान में घुसे व्यक्ति ने गले लगाने की कोशिश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट में आउट होने के बाद ड्रेसिंग रूम में वापस जाते समय हूटिंग का सामना करना पड़ा और दर्शकों ने उनका मजाक भी बनाया। इसके बाद वह मुड़कर दर्शकों के साथ कुछ देर तक बहस करने लगे।

कोहली का व्यवहार मौजूदा चौथे टेस्ट में चर्चा का विषय बन गया है जिसमें उन्होंने पहले दिन पदार्पण करने वाले 19 वर्षीय सैम कोंस्टास को कंधे से धक्का दिया था। इसके परिणामस्वरूप उन पर जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया। शुक्रवार को कोहली 36 रन बनाने के बाद स्कॉट बोलैंड की गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट हो गये। जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर जाने के लिए 'टनल' में दाखिल हुए तो एमसीजी के उस हिस्से में मौजूद प्रशंसकों ने उनका मजाक उड़ाना शुरू कर दिया और कुछ टिप्पणियां भी कीं। जिसकी एक छोटी सी क्लिप तब से वायरल हो गई है। इस 22 सेकेंड के वीडियो में कुछ स्पष्ट रूप से सुनाई नहीं दे रहा लेकिन इसे सुनने के बाद वह वापस मुड़े। वह ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों की टिप्पणियों से नाराज दिख रहे थे। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें वापस पवेलियन की ओर पहुंचाया लेकिन कोहली बाईं ओर स्टैंड की ओर देख रहे थे। बृहस्पतिवार को कोंस्टास के साथ उनकी टक्कर की आलोचना करते हुए भारत के पूर्व खिलाड़ियों ने भी इसे गैरजरूरी बताया था।

इससे पहले दिन के खेल के पहले सत्र के दौरान एक व्यक्ति दौड़कर मैदान में घुस गया और उसने कोहली के गले में हाथ डाल दिया। भारतीय स्टार ने उसका विरोध नहीं किया और कुछ कदम चले। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उस अज्ञात व्यक्ति को बाहर निकाला।

यशस्वी जायसवाल के रन आउट पर सुनील गावस्कर ने कहा, जोखिम वास्तव में जरूरी नहीं था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज जस्टिन लैंगर ने शुक्रवार को कहा कि विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल को जोखिम भरा एक रन लेने की कोशिश नहीं करनी चाहिए थी जिसके कारण ऑस्ट्रेलिया को चौथे टेस्ट में महत्वपूर्ण विकेट मिल गया।

जायसवाल चौथे टेस्ट के दूसरे दिन 118 गेंद में 82 रन की तूफानी पारी खेलने के बाद कोहली (36) के साथ गलतफहमी के कारण तेजी से एक रन लेने की कोशिश में अपनी क्रीज से काफी दूर रह गए। गावस्कर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, ''यह एक तेज रन होता और विराट कोहली जैसा कोई खिलाड़ी निश्चित रूप से इसे बना लेता। लेकिन बात यह थी कि उसने क्षेत्ररक्षक की तरफ देखा। जब आप क्षेत्ररक्षक की ओर देखते हैं, जब आप मुड़ते हैं तो आप वह अहम सेकेंड खो देते हैं। आपका संतुलन पूरी तरह से बिगड़ जाता है। और यह एक मुश्किल रन होता।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उस स्थिति में आपको रन लेने की क्या जरूरत है जिसमें जोखिम शामिल है? आप अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं, रन बन रहे हैं। उस स्थिति में जोखिम लेना वास्तव में जरूरी नहीं था।'' हालांकि गावस्कर ने कहा कि कोहली अगर पूरी तरह से इसके लिए प्रतिबद्ध होते तो रन पूरा कर सकते थे क्योंकि 'कोहली विकेटों के बीच शानदार खिलाड़ी हैं।' इसके कारण जायसवाल रन आउट हो गये और इससे कोहली का ध्यान भंग हुआ जो ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर आउट हो गये।

लैंगर ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह जोखिम भरा रन था क्योंकि पैट कमिंस शानदार एथलीट हैं। भले ही उन्होंने इसे नहीं पकड़ा होता लेकिन पैट कमिंस के दिमाग में वह नॉन-स्ट्राइकर के लिए चले जाते। यह करीबी होता लेकिन मुझे लगा कि यह जोखिम भरा रन था।''

सुविचार

जरूरी चीज है छत तक पहुंचना। तुम पत्थर की सीढ़ी चढ़कर जा सकते हो, बांस की सीढ़ी से चढ़कर जा सकते हो या रस्सी से भी चढ़कर जा सकते हो। तुम सिर्फ एक बांस की मदद से भी चढ़कर ऊपर पहुँच सकते हो। इसी तरह भगवान को भी किसी भी मार्ग से प्राप्त किया जा सकता है। सभी धर्म के मार्ग सत्य हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान के सिर 'पुरानी बला'

पाकिस्तान ने जिन 'दलीलों' का हवाला देकर अफगानिस्तान के पकतिका प्रांत में बरमाल जिले के कुछ हिस्सों पर हवाई हमले किए हैं, उससे उसके सरहदी इलाकों में हालात बिगड़ सकते हैं। चूंकि पाकिस्तान के इन हमलों से तालिबान भड़क गया है, ऐसे में 'रावलपिंडी के जनरल' अपने नागरिकों का ध्यान हटाने के लिए एलओसी पर आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने की कोशिश कर सकते हैं, जैसा कि वे पूर्व में करते रहे हैं। निश्चित रूप से भारतीय सशस्त्र बल इस बिंदु को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा संबंधी इंतजाम और मजबूत कर चुके होंगे। अगस्त 2021 में जब तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हुआ था तो पूरे पाकिस्तान में खुशी की लहर दौड़ गई थी। हर छोटे-बड़े नेता ने यह कहते हुए तालिबान को बधाई दी थी कि इसने अमेरिका को शिकस्त दे दी, क्योंकि उसकी फौज अरबों रुपए के हथियार अफगानिस्तान में छोड़कर चली गई! पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि तालिबान ने गुलामी की जंजीरें तोड़ दीं। उस समय पाकिस्तानी समाचार चैनलों में इस बात को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे कि अब तालिबान के लड़ाके रावलपिंडी का साथ देंगे और एलओसी के रास्ते भारतीय सशस्त्र बलों पर हमले करेंगे! हालांकि हुआ इसका ठीक उलटा। तालिबान ने सत्ता पाते ही पाकिस्तान के साथ लगती सरहद पर गोलीबारी शुरू कर दी थी। वह अब तक पाकिस्तानी फौज के दर्जनों जवानों को धराशायी कर चुका है। पाकिस्तानी नेताओं और कथित बुद्धिजीवियों का यह दावा बुरी तरह फेल हुआ है कि अमेरिकी सेना ने शिकस्त की वजह से हथियारों का भारी जखीरा अफगानिस्तान में छोड़ा था।

दरअसल अमेरिकी सेना ने ये हथियार एक खास मकसद के लिए छोड़े थे। उसे मालूम था कि उसके जाते ही इन पर तालिबान के लड़ाके कब्जा करेंगे, वे इन्हीं हथियारों से पाकिस्तान पर धावा बोलेंगे। बाद में यही हुआ। अब अफगानिस्तान में हवाई हमलों, जिनमें महिलाओं और बच्चों सहित दर्जनों लोगों की मौतें हुई हैं, के जवाब में पाक-अफगान सीमा पर हमले बढ़ सकते हैं, वहीं पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में भी आतंकवाद की नई लहर आ सकती है। जो तालिबान लड़ाके आज पाकिस्तान को आंखें दिखा रहे हैं, कभी उनका पालन-पोषण रावलपिंडी के जनरलों ने ही किया था। उनका ख्वाब था कि अफगानिस्तान दुनिया की नजरों में भले ही अलग मुल्क रहे, लेकिन वे उसके साथ अपने 'पांचवें सूबे' की तरह व्यवहार करेंगे। अब नौबत यहां तक आ गई है कि खुद पाकिस्तान का अस्तित्व गंभीर संकट से घिर गया है। रावलपिंडी ने जो विषवृक्ष लगाया था, उसके फल पाकिस्तान के गली-मोहल्लों तक पहुंच रहे हैं। अब उसे इनका 'आनंद' प्राप्त करना चाहिए! पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच का यह बयान हास्यास्पद है कि देश को आतंकवादी तत्त्वों से खतरा है। इन प्रवक्ता को चाहिए कि ये जनरल ज़िया-उल हक़ और परवेज़ मुशर्रफ़ के 'कारनामों' का इतिहास पढ़ें। ये दोनों तो तालिबान लड़ाकों को अपना हीरो मानते थे। इनका मंसूबा था कि तालिबान की वाहवाही करते रहेंगे और उसका इस्तेमाल भारत के खिलाफ करेंगे। अब पाकिस्तान को तालिबान से खतरा महसूस हो रहा है! यह क्या बात हुई? रावलपिंडी को चाहिए कि वह इस घटना से सबक ले और दाऊद इब्राहिम, हाफिज सईद, जकीउर्रहमान लखवी एवं मसूद अजहर समेत सभी वांछित आतंकवादियों को नई दिल्ली के हवाले करे। जो आतंकवादी अभी पाकिस्तान के लिए 'आंख के तारे' बने हुए हैं, वे भविष्य में खंजर बनकर उसे ही लहूलुहान करेंगे।

ट्वीटर टॉक

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी जी को जन्मदिन की आत्मीय बधाई। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

पूर्व प्रधानमंत्री, प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री एवं नीतिज्ञ राजनेता डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मनमोहन सिंह जी का निधन भारतीय राजनीति एवं कांग्रेस पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री व पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का हमारे बीच से चले जाना, देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके व्यक्तित्व में विद्वता और विनम्रता का अद्भुत संगम था। मैं प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों मे स्थान दें।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

पीड़ा का सौंदर्य

जब लियोनार्डो दा विंची युवा थे, तब वे फ्लोरेंस की गलियों में घूमते हुए अक्सर बीमार और विकलांग लोगों के चेहरों का अध्ययन करते। लोग उन्हें देखकर आश्चर्य करते कि इतना प्रतिभाशाली व्यक्ति ऐसे दृश्यों को क्यों देखता है। एक दिन एक वृद्ध व्यक्ति ने पूछा, 'हे युवक, तुम इन कुरूप चेहरों को क्यों देखते हो? क्या तुम्हें सुंदर चीजें नहीं दिखतीं?' लियोनार्डो ने विनम्रता से उत्तर दिया, 'मैं मानव भावनाओं को समझना चाहता हूं। प्रत्येक चेहरा एक कहानी कहता है। पीड़ा में भी सौंदर्य छिपा होता है। जब तक मैं दुख को नहीं समझूंगा, सुख को कैसे चित्रित कर सकूंगा?' वृद्ध व्यक्ति ने कहा, 'लेकिन यह तुम्हारी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकता है।' लियोनार्डो मुस्कुराए, 'प्रतिष्ठा क्षणिक है, लेकिन ज्ञान शाश्वत है। मैं जीवन के हर पहलू से सीखना चाहता हूं।' यह संवाद सुनकर कई युवा कलाकार भी उनके साथ जुड़ गए। धीरे-धीरे लियोनार्डो ने मानवीय भावनाओं की इतनी गहरी समझ विकसित की कि उनके चित्र जीवंत लगने लगे। मोनालिसा की रहस्यमयी मुस्कान इसी समझ का परिणाम थी।

सामयिक

आधुनिक भारत की आर्थिक क्रांति के सूत्रधार थे मनमोहन सिंह

योगेश कुमार गोयल

फोन: 9416740584.

देश के आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत के 14वें प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन के साथ ही एक ऐसे नेता के युग का अंत हो गया, जिसने आधुनिक भारत के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मनमोहन सिंह ने 92 वर्ष की उम्र में 26 दिसंबर की रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। अपने शांत स्वभाव और बौद्धिक कौशल के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह ने भारत में ऐतिहासिक आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1991 में व्यापक सुधारों का श्रेय उन्हें ही दिया जाता है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को खोला, तथाकथित लाइसेंस-परमिट राज को खत्म किया और वैश्विक मंच पर भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनने के मार्ग पर मजबूती से स्थापित किया। एक शिक्षाविद, अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ के रूप में उनकी यात्रा न केवल प्रेरणादायक रही बल्कि उनके द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों और राजनीतिक निर्णयों ने भारत के इतिहास में एक नई दिशा दी। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों का वास्तुकार भी कहा जाता है।

डा. मनमोहन सिंह ने जुलाई 1991 में अपने बजट भाषण के अंत में कहा था कि दुनिया की कोई भी ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया है, मैं इस सम्मानित सदन को सुझाव देता हूं कि भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है। मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने आर्थिक विकास में उल्लेखनीय वृद्धि की। 2004 से 2014 तक भारत 10वें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई थी। मनमोहन सिंह ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक अभूतपूर्व विकास और वृद्धि की दिशा में देश को नेतृत्व प्रदान किया। उनके द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों में उदारीकरण के तहत लाइसेंस राज की समाप्ति और व्यवसाय शुरू करने के लिए सरल प्रक्रियाओं का निर्माण, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के दरवाजे खोलना और विदेशी व्यापार को प्रोत्साहित करना, कर ढ़ांचे को सरल और पारदर्शी बनाना, भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बाजार पर आधारित सुधार लागू करना, ग्रामीण रोजगार और गरीबी उन्मूलन के लिए मनरेगा' लागू करना शामिल हैं। इन सुधारों ने भारत को आर्थिक संकट से बाहर निकाला और उसे विश्व अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया।

भारत ने डा. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐतिहासिक वृद्धि दर देखी, जो औसतन 7.7 प्रतिशत रही और उसी के परिणामस्वरूप भारत करीब दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा था। उन्हें न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जिन्हें न केवल उन कार्यों के लिए स्मरण किया जाता रहेगा, जिनके जरिये उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा। उन्होंने न केवल आर्थिक विकास की गति को बनाए रखा बल्कि सामाजिक और विकासशील नीतियों पर भी जोर दिया। हालांकि उनका कार्यकाल आलोचनाओं से भी अछूता नहीं रहा। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्हें आर्थिक चुनौतियों और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा और निर्णय लेने में धीमापन उनकी सरकार के लिए नकारात्मक साबित हुए। 2जी घोटाला उनके कार्यकाल के सबसे बड़े विवादों में से एक रहा। इसके अलावा कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले को कोलगेट' के नाम से जाना गया। उनके दूसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधारों की गति धीमी रही।

22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक दो बार भारत के प्रधानमंत्री रहे डा. मनमोहन सिंह की छवि बेहद कम बोलने वाले और शांत रहने वाले व्यक्ति की रही। हालांकि जब भी वे कुछ बोलते थे, वह सुर्खियां बन जाती थी। मनमोहन सिंह ने ही कहा था कि राजनीति में लंबे समय तक कोई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। वह कहा करते थे कि मैं एक खुली किताब की तरह हूं और मेरे दस वर्ष का कार्यकाल इतिहासकारों के मूल्यांकन का विषय है। उन्होंने 27 अगस्त 2012 को संसद में कहा था कि हजारों

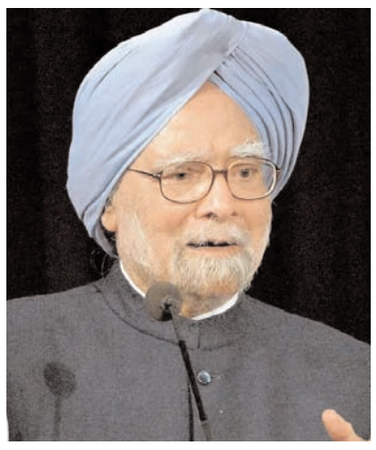

जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी है, जिसने न जाने कितने सवालों की आबरू रखी। डा. मनमोहन सिंह को उनके अलोचकों द्वारा मूक प्रधानमंत्री' की संज्ञा दी जाती थी लेकिन उन्होंने आमतौर पर इस पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। इस पर उनकी पहली प्रतिक्रिया दिसंबर 2018 में उनकी पुस्तक द चेजिंग इंडिया' के विमोचन के अवसर पर सामने आई थी, जब उन्होंने कहा था कि जो लोग कहते हैं कि मैं एक मूक प्रधानमंत्री था, मुझे लगता है कि मेरी ये पुस्तकें बोलती हैं।

बतौर प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह लोकसभा में 23 मार्च 2011 को विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे थे। उस दौरान सदन में नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज ने उन पर तंज करते हुए कहा था, तू इधर-उधर की न बात कर, ये बता कि कारवां क्यों लुटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।' इसके जवाब में डा. मनमोहन सिंह ने कहा था, माना के तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक तो देख मेरा इंतजार तो देख।' डा. मनमोहन सिंह ने जनवरी 2014 में बतौर प्रधानमंत्री अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया के उन सवालों का जवाब देते हुए, जिनमें कहा गया था कि उनका नेतृत्व कमजोर है और कई अवसरों पर वे निर्णायक नहीं रहे, कहा था कि मैं यह नहीं मानता कि मैं एक कमजोर प्रधानमंत्री रहा हूं बल्कि मैं ईमानदारी से यह मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में ज्यादा उदार होगा, राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। उन्होंने कहा था कि परिस्थितियों के अनुसार मैं जितना कर सकता था, उतना किया। यह इतिहास को तय करना है कि मैंने क्या किया है या क्या नहीं किया है। उनका कहना था कि मुझे उम्मीद है कि मीडिया की तुलना में इतिहास मेरा मूल्यांकन करते समय ज्यादा उदार होगा।

26 सितंबर 1932 को पंजाब (अब पाकिस्तान में) के गांव गाह में जन्मे मनमोहन सिंह का परिवार विभाजन के समय भारत आ गया था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में हुई थी, जिसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां उन्होंने अर्थशास्त्र में ट्रिपोस किया और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी.फिल की उपाधि प्राप्त की। उनकी उच्च शिक्षा ने उन्हें न केवल एक उत्कृष्ट अर्थशास्त्री बनाया बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक सोच की गहराई भी प्रदान की।

अपने कैरियर की शुरुआत उन्होंने भारतीय सिविल सेवा से की और बाद में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और भारतीय रिजर्व बैंक जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में भी कार्य किया। वे 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे और उस दौरान उन्होंने वित्तीय स्थिरता बनाए रखने तथा मुद्रा प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारत के आर्थिक इतिहास में 1991 का वर्ष एक निर्णायक मोड़ था क्योंकि उस समय देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने डा. मनमोहन सिंह को वित्तमंत्री नियुक्त किया। वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने साहसिक आर्थिक सुधारों का नेतृत्व किया, जिनमें उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण प्रमुख थे। बहरहाल, राजनीति में डा. मनमोहन सिंह जैसे विद्वान बहुत ही कम देखने को मिलते हैं। उनकी सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी हमेशा संदेह से परे रही। वह एक ऐसा राजनेता थे, जिन्हें राजनीतिक सीमाओं से परे सम्मान प्राप्त था। कुल मिलाकर, तमाम आलोचनाओं के बावजूद डा. मनमोहन सिंह एक ऐसे नेता के रूप में याद किए जाएंगे, जिन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मानजनक स्थान दिलाया और भारत को आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से एक मजबूत राष्ट्र बनाने में अहम योगदान दिया।

विशेष

छायावादी काव्य के प्रवर्तक थे सुमित्रानंदन पंत

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

आज देश के मूर्धन्य साहित्यकार और छायावादी काव्य के प्रवर्तक कवि सुमित्रानंदन पंत का स्मृति दिवस हैं। 28 दिसंबर, 1977 को इलाहबाद में उनका निधन हो गया था। छायावाद के प्रमुख कवि व हिंदी काव्य में नई धारा के प्रवर्तक सुमित्रानंदन पंत का जन्म 20 मई, 1900 को उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के कौसानी गांव में हुआ। उत्तराखंड में जन्म होने के कारण पंतजी का प्रद्गति प्रेम सर्वविदित है। खबसूरत पहाड़ियों और घने जंगल का चित्रण उनकी कविताओं में मिलता है। उन्होंने प्रद्गति की सुंदरता को अपनी रचनाओं में बेहद सृजनात्मक एवं खूबसूरत तरीके से दर्शाया। मानव-सौंदर्य और आध्यात्मिक चेतना के रचनाकार के रूप में भी उन्हें ख्याति मिली। उन्होंने सात वर्ष की उम्र में ही कविता लिखना आरंभ कर दिया था। पंतजी की रचनाओं में स्वर्णकिरण, स्वर्णधूलि, वाणी, पल्लव, युगांत, उच्छ्वास, ग्रन्थि, गुंजन, ग्राम्या, कला और बूढ़ा चांद, लोकायतन, चिदंबरा, सत्यकाम सहित कई काव्यों को अनूठा माना जाता है। हिन्दी साहित्य में छायावादी युग के चार स्तंभों में से एक हैं। सुमित्रानंदन पंत नये युग के प्रवर्तक के रूप में आधुनिक हिन्दी साहित्य में उदित हुए। उन्होंने छायावाद, प्रगतिवाद और नव चेतनावाद की तीन प्रमुख धाराओं के अंतर्गत साहित्यिक रचनाएं लिखीं। शब्द और भाषा के अलंकारों से अलग उन्होंने कविताओं की एक नवीन शैली को उदघाटित किया।

साहित्य में योगदान के लिए सुमित्रानंदन पंत को पदम भूषण (1961) और ज्ञानपीठ पुरस्कार (1968) से सम्मानित किया गया। खादी के फूल हरिवंशराय बच्चन के साथ संयुक्त संग्रह है। मधुज्वाल उमर खैयाम की रुबाइयों का फारसी से हिन्दी में अनुवाद है। आपको चिदम्बरा के लिये भारतीय ज्ञानपीठ, लोकायतन के लिये सोवियत नेहरू शांति पुरस्कार और हिन्दी साहित्य की अनवरत सेवा के लिये पदमभूषण से अलंद्गत किया गया। उनकी रचनाएं कुमाउं विश्वविद्यालय नैनीताल, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा समेत विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीए, एमए (हिंदी) के अलावा स्कूली पाठ्यक्रमों में पढ़ाई जाती हैं। बाल्यकाल से ही अल्मोड़ा में हारमोनियम और तबले की धुन पर गीत गाने के साथ ही उन्होंने सात वर्ष की अल्पायु में अपनी सृजनशीलता व रचनाधर्मिता का परिचय देते हुए काव्य सृजन करना शुरू कर दिया। नन्हीं उम्र में नेपोलियन की तस्वीर को देखकर उनकी तरह अपने बालों को ताउम्र बड़े रखने का निर्णय लेने के साथ ही उन्होंने अपने नाम गुसाई दत्त को बदलकर सुमित्रानंदन पंत रख लिया।

पंतजी का बच्चन परिवार के नजदीकी रिश्ता था। बताते हैं अमिताभ बच्चन को उनकी मां तेजी बच्चन मुन्ना कहकर बुलाती थीं। पिता ने उनका नाम 'इंकलाब' रखा था। एक बार सुमित्रा नंदन पंत हरिवंश राय बच्चन के घर गए। उन्होंने वहां अमिताभ से उनका नाम पूछा । हरिवंश राय बच्चन ने कहा इंकलाब। पंतजी को यह नाम कुछ जमा नहीं। उन्होंने हरिवंश राय बच्चन से बच्चे का नाम 'अमिताभ' रखने को कहा। तब से मां के 'मुन्ना' और पिता के 'इंकलाब' का नाम अमिताभ हो गया।सुमित्रा नंदन पंत को आधुनिक हिंदी साहित्य का युग प्रवर्तक कवि माना जाता है। अपनी रचना ओ के माध्यम से पंत ने भाषा में निखार लाने के साथ ही भाषा को संस्कार देने का भी प्रयास किया। प्रकृति और प्रेम के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत हिन्दी साहित्य संसार में कविता को एक नयी उंचाई दी। 1919 में महात्मा गाँधी के सत्याग्रह से प्रभावित होकर अपनी शिक्षा अधूरी छोड़ दी और स्वाधीनता आन्दोलन में सक्रिय हो गए। हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी और बंगला का स्वाध्याय किया। पंत जी को विरासत के तौर पर भारतेंदु और द्विवेदी युग की वह काव्य परंपरा मिली थी जो कि खड़ी बोली का एक स्वरूप तैयार कर चुकी थी।

नजरिया

क्या मोहन भागवत को महंगा पड़ेगा साफ्ट हिंदुत्व का अलाप?

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

हाल ही में पुणे में मोहन भागवत में सहजीवन पर आयोजित व्याख्यानमाला में एक ऐसी टिप्पणी की जिसमें उन्होंने कहा कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर खोजने की जरूरत नहीं है। उनके इस बयान पर उठा तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। हिंदू समाज के ही कई संतों ने ऐतराज जताया है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और रामभद्राचार्य ने आपत्ति जताई है। यहां तक कि भाजपा सांसद साक्षी महाराज का भी कहना है कि कौन नहीं जानता कि मंदिरों को तोड़कर ही मस्जिदें बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि कुतुब मीनार में तो लिखा ही गया है कि इसका निर्माण 27 मंदिरों को तोड़कर किया गया है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों हर मस्जिद के नीचे मंदिर न खोजने की नसीहत दी थी। इसके अलावा उन्होंने कहा था कि कुछ राम मंदिर जैसे मामले खड़े करके हिंदुओं के नेता बनना चाहते हैं। ऐसा नहीं होने दिया जा सकता। मोहन भागवत के इस बयान पर विपक्ष ने भाजपा और अन्य संगठनों से इस पर अमल करने को कहा है। वहीं आरएसएस में अंदरखाने की मोहन भागवत के बयान से असहमति जताई जा रही है। यही नहीं आरएसएस से जुड़ी पत्रिका ऑर्गनाइजर ने तो अपने ताजा में अंक में संभल के मुद्दे को ही कवर स्टोरी बनाया है। संभल को पत्रिका के पहले स्थान पर जगह दी गई है, जिसका शीर्षक है- सभ्यतागत न्याय की लड़ाई।संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर ने लिखा है कि यह लड़ाई तो किसी का भी व्यक्तिगत या सामुदायिक अधिकार है। पत्रिका का कहना है कि कोई भी अपने पूजा स्थलों को मुक्त कराने के लिए कानूनी ऐक्शन की मांग कर सकते है। इसमें आखिर क्या गलत है। यह तो हम सभी को मिला एक संवैधानिक अधिकार है। इसके अलावा पत्रिका ने इसे सोमनाथ से संभल तक की लड़ाई से जोड़ दिया है। मैगजीन के कवर पेज में संभल की एक तस्वीर को रखा गया है। पत्रिका में लिखा गया है कि संभल में जो कभी श्री हरिहर मंदिर था, वहां अब जामा मस्जिद बनी है। उत्तर प्रदेश के इस ऐतिहासिक कस्बे में ऐसे आरोप ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। आपको जानकारी देते हैं 1975 के अंत में जब देश तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लगाए हुए आपातकाल से जूझ रहा था, पशु चिकित्सा में अपना स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अधूरा छोड़ कर 'मोहन राव मधुकर राव भागवत' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक स्वयंसेवक बन गए। वह विभिन्न पदों से गुजरते हुए 2009 से इसके सरसंघ चालक हैं तथा समय-समय पर धर्म, समाज और राजनीति से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय देते रहते हैं। इसी कड़ी में 20 दिसम्बर को मोहन भागवत ने पुणे में आयोजित 'सह जीवन व्याख्यान माला' में 'भारत विश्वगुरु' विषय पर व्याख्यान दिया और भारतीय समाज की विविधता को रेखांकित करते हुए मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उठाने पर चिंता व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोगों को ऐसा लग रहा है कि ऐसे मुद्दों को उठाकर वे हिन्दुओं के नेता बन सकते हैं, यह स्वीकार्य नहीं है। राम मंदिर का निर्माण इसलिए किया गया क्योंकि यह सभी हिन्दुओं की आस्था का विषय था।राम

मंदिर होना चाहिए था और हुआ परंतु रोज नए मुद्दे उठाकर घृणा और दुश्मनी फैलाना उचित नहीं। हर दिन एक नया विवाद उठाया जा रहा है। इसकी अनुमति कैसे दी जा सकती है? यह जारी नहीं रह सकता।

अपने भाषण में उन्होंने सब लोगों को अपनाने वाले समाज की वकालत की और कहा कि दुनिया को यह दिखाने की जरूरत है कि भारत देश सद्भावना पूर्वक एक साथ रह सकता है। 'रामकृष्ण मिशन' में 'क्रिसमस' मनाया जाता है। केवल हम ही ऐसा कर सकते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं। भागवत के अनुसार बाहर से आए कुछ समूह अपने साथ कट्टरता लेकर आए और वे चाहते हैं कि उनका पुराना शासन वापस आ जाए लेकिन अब देश संविधान के अनुसार चलता है। कौन अल्पसंख्यक है और कौन बहुसंख्यक? यहां सभी समान हैं। जरूरत सद्भावना से रहने और कायदे- कानूनों का पालन करने की है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 3 जून, 2022 को भी श्री भागवत ने नागपुर में स्वयंसेवकों की एक सभा से पहले अपने संबोधन में कई संदेश दिए थे जिनमें उन्होंने श्रद्धा और ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद पर हिन्दू दावे का समर्थन किया था, परंतु इसके साथ ही बलपूर्वक यह भी कहा था कि 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' देश भर में किए जा रहे ऐसे दावों का समर्थन नहीं करता। उन्होंने इस तथ्य को दोहराया था कि आक्रमणकारियों के जरिए इस्लाम भारत में आया था, लेकिन जिन मुसलमानों ने इसे स्वीकार किया है वे बाहरी नहीं हैं, इसे समझने की जरूरत है। भले ही उनकी प्रार्थना (भारत से) बाहर से आई हो और वे इसे जारी रखना चाहते हैं तो अच्छी बात है। हमारे यहां किसी पूजा का विरोध नहीं है। मस्जिदों में जो होता है, वह भी इबादत का ही एक रूप है। ठीक है यह बाहर से आया है। भागवत के अनुसार हिन्दुओं के दिलों में खास महत्व रखने वाले मंदिरों के मुद्दे अब उठाए जा रहे हैं... हर रोज कोई नया मुद्दा नहीं उठाना – चाहिए। झगड़े क्यों बढ़ाते हैं? 'ज्ञानवापी' को लेकर हमारी आस्था पीढ़ियों से चली आ रही है। हम जो कर रहे हैं वह ठीक है परंतु हर मस्जिद में शिवलिंग की तलाश क्यों ? उधर सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा है कि मोहन भागवत जी ने सही कहा है परंतु उनकी बात कोई नहीं सुनता। श्री भागवत की उक्त बातों पर कोई टिप्पणी न करते हुए हम इतना ही कहेंगे कि भाजपा की अभिभावक संस्था 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' के प्रमुख होने के नाते मोहन भागवत का हर कथन मायने रखता है।

हालांकि कुछ लोग मानते हैं कि मोहन भागवत चर्चा में बने रहने के लिए अक्सर लीक से हटकर बयानबाजी करते हैं। क्या भागवत संघ को दीनदयाल उपाध्याय के एकात्मकता वादी दर्शन से पृथक कर गांधी वादी दर्शन को स्वीकारने की पहल करना चाहते हैं? या वह स्वयं संघ के महात्मा गांधी बनने की राह चुन रहे हैं? भागवत के इस नए दर्शन पर सभी संबंधित पक्षों को विचार करने की आवश्यकता है क्या भागवत ने विवादों के पैदा होने से आशंकित हैं और सच्चाई से मुंह चुराने की राह चुन चुके हैं और उसी को संघ की नीति बतौर रख रहे हैं। लेकिन उनकी इस सोच को लेकर संघ के भीतर भी एक धड़ा असहमत और असहज महसूस कर रहा है।संघ के मुखपत्र में असहमति स्पष्ट परिलक्षित होती है अब देखना होगा कि यह असहमति उनकी मान्यताओं को बदलाव के लिए मजबूर करेगी या उनकी सोच को अंगीकार कर घुटने टेक देगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित 70वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) 2024 के अभ्यर्थियों ने पटना में प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद दोबारा परीक्षा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

चीन ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की योजना का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। चीन ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की अपनी योजना का बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि इस परियोजना से देश प्रभावित नहीं होंगे और दशकों के अध्ययन के माध्यम से सुरक्षा मुद्दों का समाधान किया गया है।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने 137 अरब अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत वाली इस विशाल परियोजना पर आशंकाओं को खारिज किया। यह परियोजना पारिस्थितिक रूप से बेहद नाजुक हिमालयी क्षेत्र में बनाई जा रही है, जो टेक्टोनिक प्लेट सीमा पर स्थित है, जहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। उन्होंने कहा कि चीन ने दशकों तक गहन अध्ययन किया है और सुरक्षा उपाय किए हैं। माओ ने यहां प्रेस वार्ता में बांध से जुड़ी चिंताओं के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि चीन हमेशा से सीमा पार गुजरने वाली नदियों के विकास के लिए जिम्मेदार रहा है। उन्होंने कहा कि तिब्बत में जलविद्युत विकास का दशकों से गहन अध्ययन किया जा रहा है और परियोजना की सुरक्षा तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सुरक्षा उपाय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि परियोजना निचले इलाकों को प्रभावित नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से निचले इलाकों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चीन मौजूदा चैनल के माध्यम से निचले इलाकों के देशों के साथ संवाद बनाए रखेगा और नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लाभ के लिए आपदा निवारण और राहत पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आगे बढ़ाएगा। चीन ने बुधवार को भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी अवसंरचना परियोजना बताया जा रहा है। इससे भारत और बांग्लादेश में चिंता बढ़ गई है जहां से होकर ये नदी गुजरती है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह जलविद्युत परियोजना 'यारलुंग जांगबो' नदी के निचले हिस्से में बनाई जाएगी। 'यारलुंग जांगबो' ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम है। बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा, जहां ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल प्रदेश और फिर बड़ा मोड़ लेते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है।

माओ ने कहा कि 'यारलुंग जांगबो' नदी के निचले इलाकों में चीन के जलविद्युत विकास का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा के विकास में तेजी लाना तथा जलवायु परिवर्तन और चरम जल विज्ञान संबंधी आपदाओं का सामना करना है।

मलेशियाई प्रधानमंत्री ने याद किया कि कैसे मनमोहन ने छात्रवृत्ति की पेशकश की थी उनके बच्चों के लिए

सिंगापुर/भाषा। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने शुक्रवार को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए एक भावपूर्ण पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने याद किया कि कैसे जेल में रहने के दौरान उनके बच्चों के लिए भारतीय नेता ने छात्रवृत्ति की पेशकश की थी।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भारत को विश्व की आर्थिक शक्तियों में से एक के रूप में उभरने में सहायक बताया। सिंह का बृहस्पतिवार की रात दिल्ली में निधन हो गया । वह 92 साल के थे। इब्राहिम ने इसके साथ ही उन्हें मेरे मित्र, मेरे भाई, मनमोहन बताया।

हालांकि अनवर ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था, लेकिन वे इस कदम से स्पष्ट रूप से प्रभावित हुए। मलेशियाई नेता 1999 से 2004 तक जेल में रहे। इस अवधि के दौरान सिंह राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे। उन्होंने लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक ईमानदार, दृढ़ और मजबूत नेता थे और वह अपने पीछे ऐसी विरासत छोड़ गए हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती करेगी।

उन्होंने लिखा, मेरे लिए वह सब कुछ रहेंगे और उससे भी अधिक। बहुत से लोग यह नहीं जानते और अब समय आ गया है कि मैं इसे मलेशियाई लोगों के साथ साझा करूं: मेरे कारावास के वर्षों के दौरान उन्होंने (मनमोहन) ऐसी दयालुता दिखाई जिसकी उन्हें आवश्यकता नहीं थी... उन्होंने मेरे बच्चों, विशेषकर मेरे बेटे, इहसान के लिए छात्रवृत्ति की पेशकश की।

मलेशियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि हालांकि मैंने इस शानदार प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने लिखा, उन अंधकारमय दिनों में जब मैं कारावास की भूलभुलैया में था, वह एक सच्चे मित्र की तरह मेरे साथ खड़े रहे। शांत उदारता के ऐसे कार्य उन्हें परिभाषित करते हैं और वह हमेशा मेरे दिल में अंकित रहेंगे। अलविदा, मेरे मित्र, मेरे भाई, मनमोहन।

जब मनमोहन सिंह ने कहा था 'हजारों जवाबों से अच्छी है मेरी खामोशी,जो कई सवालों की आबरू ढक लेती है...

नई दिल्ली/भाषा। संयमित और शांत स्वभाव के नेता, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उर्दू शेरो-शायरी में गहरी रुचि थी और लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता सुषमा स्वराज के साथ उनकी ये शायराना नोकझोंक सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली संसदीय बहसों में शुमार की जाती है।

2011 में संसद में एक तीखी बहस के दौरान लोकसभा में विपक्ष की नेता सुषमा ने भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरी प्रधानमंत्री सिंह के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधने के लिए वाराणसी में जन्मे शायर शहाब जाफरी के 'शेर' का सहारा लिया था। उन्होंने बहस के दौरान शेर पढ़ते हुए कहा:

''तू इधर उधर की न बात कर,
ये बता कि काफिला क्यों लुटा;
हमें रहजनों से गिला नहीं, तेरी
रहबरी का सवाल है।''

सिंह ने सुषमा के शेर का तल्खी भरे अंदाज में जवाब देने के बजाय अपने शांत लहजे में बड़ी विनम्रता से अल्लामा इकबाल का शेर पढ़ा जिससे सदन में पैदा सारा तनाव ही खत्म हो गया। उन्होंने शेर कहा:

''माना कि तेरी दीद
के काबिल नहीं हूं मैं,
तू मेरा शौक देख,
मेरा इंतजार देख।''

साहित्य में रुचि रखने वाले दोनों नेताओं का 2013 में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान एक बार फिर आमना सामना हुआ।

सिंह ने सबसे पहले निशाना साधने के लिए मिर्जा गालिब का शेर चुना। उन्होंने कहा:

''हम को उनसे वफा की है उम्मीद,
जो नहीं जानते वफा क्या है''।

स्वराज ने अपनी अनोखी शैली में इसके जवाब में अधिक समकालीन बशीर बद्र का शेर चुना और कहा:

, ''कुछ तो मजबूरियां रही होंगी,
यूं कोई बेवफा नहीं होता।''

जब संवाददाताओं ने उनकी सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में सिंह से सवाल पूछे थे तो उन्होंने इसी तरह के शायराना अंदाज में जवाब दिया था। उन्होंने कहा था:

''हजारों जवाबों से
अच्छी है मेरी खामोशी,
जो कई सवालों की
आबरू ढक लेती है''।

भारत के आर्थिक सुधारों के जनक और राजनीति की मुश्किल भरी दुनिया में आम सहमति बनाने वाले डॉ. सिंह का बृहस्पतिवार देर रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

आतंकवादी हमले के बाद मनमोहन ने सैन्य कार्रवाई की बात कही थी: कैमरन

मुंबई/भाषा। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन ने अपने संस्मरण में उल्लेख किया है कि जुलाई 2011 के मुंबई बम विस्फोटों के बाद मनमोहन सिंह ने उनसे कहा था कि यदि ऐसा कोई और हमला होता है तो भारत को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करनी होगी। मुंबई के विभिन्न स्थानों पर 13 जुलाई 2011 को तीन बम विस्फोट हुए थे। ये धमाके ओपेरा हाउस, जावेरी बाजार और दादर पश्चिम क्षेत्रों में शाम 6:54 बजे से 7:06 बजे के बीच हुए थे जिसमें 26 लोग मारे गए और 130 लोग घायल हो गए थे।

वर्ष 2019 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'फॉर द रिकॉर्ड' में कैमरन ने लिखा, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ मेरे अच्छे संबंध थे। वह एक संत पुरुष थे, लेकिन भारत के सामने आने वाले खतरों के बारे में वह बेहद सख्त थे।

बाद में एक यात्रा पर उन्होंने मुझसे कहा कि जुलाई 2011 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले जैसा एक और आतंकवादी हमला अगर हुआ तो भारत को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करनी होगी। वर्ष 2013 में अमृतसर की यात्रा के दौरान जब वह और सिंह प्रधानमंत्री थे, तब कैमरन ने 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड को ब्रिटिश इतिहास की एक बेहद शर्मनाक घटना बताया था।

अभिनेत्री ईशा देओल मुंबई के हवाई अड्डे पर पोज देती हुई।

खुशी कपूर ने वेदांग रैना के साथ स्वेटर पार्टी के पल किए शेयर

मुंबई/एजेन्सी

स्ट्रीमिंग मूवी 'द आर्चीज' से डेब्यू करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री खुशी कपूर ने शुक्रवार को अपनी क्रिसमस स्वेटर पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। इसमें वह वेदांग रैना के साथ नजर आईं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया पार्टी की कई तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में खुशी के साथ उनके खास दोस्त और 'द आर्चीज' के उनके को-एक्टर वेदांग रैना भी पोज देते नजर आए। एक तस्वीर में सोशल मीडिया स्टार ओरी भी नजर आ रहे हैं। पोस्ट को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, एक प्यारी क्रिसमस स्वेटर पार्टी। खुशी कपूर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर लेटेस्ट पोस्ट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। 'स्वेटर पार्टी' वाली तस्वीरों से पहले अभिनेत्री ने लेखक, निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप की हल्दी सेरेमनी की कई तस्वीरों के साथ वीडियो को भी शेयर किया था।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में खुशी, आलिया को हल्दी लगाती नजर आई थीं। दूसरी वीडियो में आलिया अपने मंगेतर के साथ खूबसूरत पल बिताती नजर आई थीं। खुशी ने कैप्शन में लिखा था, हल्दी की सुबह। खुशी कपूर के एक्टिंग करियर पर नजर डालें तो अभिनेत्री 'द आर्चीज' से डेब्यू कर चुकी हैं। फिल्म को जोया अख्तर ने निर्देशित किया। फिल्म में खुशी के साथ अगस्त्य नंदा, वेदांग रैना, सुहाना खान, मिहिर आहूजा, अदिति 'डॉट' सहगल और युवराज मेंडा भी अहम रोल में दिखे थे। खुशी कपूर जल्द ही 'लवयापा' में बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ नजर आएंगी।

फिल्म का निर्देशन 'सीक्रेट सुपरस्टार' फेम अद्वैत चंदन ने किया है और यह हिट तमिल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'लव टुडे' की रीमेक है। फिल्म की शूटिंग मुंबई के साथ ही दिल्ली-एनसीआर में भी की गई है।

फिल्म 'संगी' 17 जनवरी को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

शारिब हाशमी और विद्या मालवड़े की फिल्म संगी 17 जनवरी को रिलीज होगी। सुमित कुलकर्णी निर्देशित और थोपटे विजयसिंह सरजेराव द्वारा लिखित फिल्म संगी में शारिब हाशमी, विद्या मालवडे, संजय बिश्नोई, श्यामराज पाटिल और गौरव मोरे जैसे कई स्टार कलाकार नज़र आयेंगे। शारिब हाशमी ने कहा, संगी मेरे दिल के बहुत करीब की फिल्म है, पोस्टर कहानी की आत्मा को दर्शाता है, और मैं दर्शकों के रिएक्शन देखने के लिए रोमांचित हूं। विद्या मालवड़े ने कहा, संगी एक ऐसी फिल्म है जो दिल को छू जाती है और यह एक अविश्वसनीय यात्रा की शुरुआत है। मैं हमारी पूरी टीम के समर्पण और जुनून के लिए आभारी हूं। फिल्म 'संगी' 17 जनवरी, 2025 को रिलीज के लिए तैयार है।

अभियान

प्रयागराज में महाकुंभ मेला से पहले मॉक ड्रिल के दौरान एनडीआरएफ के जवान बचाव अभियान चलाते हुए।

'वागले की दुनिया' में महिला स्टैंडअप कॉमेडियन की भूमिका निभाएंगे अली असगर

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने हास्य कलकार अली असगर सोनी सब के शो 'वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से' में महिला स्टैंडअप कॉमेडियन की भूमिका निभाते नजर आयेंगे। अली मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन और राजेश वागले (सुमित राघवन) के बचपन के दोस्त हरीश खन्ना की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हरीश खन्ना की भूमिका निभाने वाले अली असगर ने कहा, मैं 'वागले की दुनिया' का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं।

यह एक कल्ट क्लासिक है और प्रशंसकों द्वारा बेहद पसंद किया जाता है, जो संबंधित कहानियों और दिल को छूने वाली भावनाओं को खूबसूरती से चित्रित करता है। मेरा किरदार हरीश खन्ना एक स्टैंड-अप कॉमेडियन है, और मैंने इस क्षेत्र में अपने स्वयं के अनुभवों से प्रेरणा ली, जिसने उसे जीवंत करना और भी रोमांचक बना दिया। भूमिका नए साल के जश्न के दौरान हल्के-फुल्के पलों, अराजकता और अहसासों का मिश्रण जोड़ती है। इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना वाकई खुशी की बात थी, और मैं दर्शकों को इस मनोरंजक एपिसोड का आनंद लेने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले सुमित राघवन ने कहा, अली असगर एक बेहतरीन कॉमेडियन हैं, लोग कई सालों से उन पर अपना प्यार बरसाते आ रहे हैं। राजेश के बचपन के दोस्त के रूप में उनके शो में शामिल होने से शो में एक नया मोड़ आता है। अली की बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग उनकी एंट्री को वाकई यादगार बनाती है। राजेश और हरीश के बीच की दोस्ती पुरानी यादों से भरी हुई है और साथ ही इसमें थोड़ा ड्रामा भी है, जिसे दर्शक पसंद करेंगे। वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से सोनी सब पर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे प्रसारित होता है।

'असाधारण नेता को नमन', मनमोहन सिंह के निधन पर फिल्मी सितारों ने दी श्रद्धांजलि

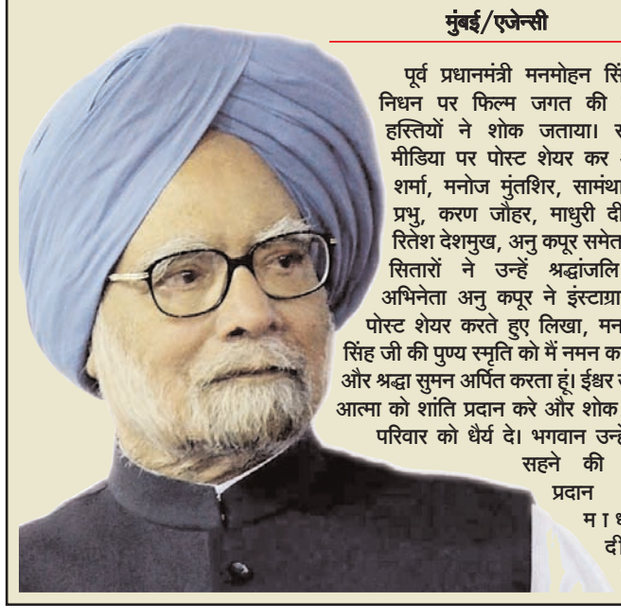

मुंबई/एजेन्सी

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर फिल्म जगत की तमाम हस्तियों ने शोक जताया। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर आयुष शर्मा, मनोज मुंतशिर, सामंथा रुथ प्रभु, करण जौहर, माधुरी दीक्षित, रितेश देशमुख, अनु कपूर समेत अन्य सितारों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेता अनु कपूर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मनमोहन सिंह जी की पुण्य स्मृति को मैं नमन करता हूं और श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और शोक संतप्त परिवार को धैर्य दे। भगवान उन्हें कष्ट सहने की शक्ति प्रदान करे। माधुरी दीक्षित ने इंस्टाग्राम पर लिखा, डॉ. मनमोहन सिंह की जर्नी और देश के प्रति उनकी सेवा सच्ची बुद्धिमत्ता और शालीनता को दर्शाती है। उनका नेतृत्व हमें याद दिलाता है कि शांत दृढ़ संकल्प पहाड़ों को भी हिला सकता है। एक असाधारण नेता और उससे भी अधिक असाधारण इंसान। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर ने लिखा, मध्य वर्ग के हाथ में पहली बार पैसा तब देखा गया जब देश की अर्थव्यवस्था मनमोहन सिंह के हाथों में थी। हम जैसे साधारण परिवारों का जीवन स्तर, ओपन इकॉनमी ने पूरी तरह बदलकर रख दिया था। आप चिर-निद्रा में विलीन हो गए, लेकिन हमारी अंतरात्मा में सदैव जागते रहेंगे। रितेश देशमुख ने लिखा, आज हमने भारत के सबसे बेहतरीन प्रधानमंत्रियों में से एक को खो दिया। वह व्यक्ति जिसने भारत की आर्थिक वृद्धि को गति दी। वह गरिमा और विनम्रता के प्रतीक थे। हम हमेशा उनकी विरासत के ऋणी रहेंगे। उनकी आत्मा को शांति मिले। धन्यवाद, मनमोहन सिंह जी। दिशा पटानी ने लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को बदल दिया। उनकी बुद्धिमत्ता और योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। देश उन्हें बहुत याद करेगा। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। मनोज बाजपेयी ने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से दुखी हूं। एक ऐसा राजनेता जिसका हमारे देश के विकास के हर पहलू में योगदान रहा, उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदना। अभिनेता संजय दत्त ने शोक जताते हुए लिखा, डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन से बहुत दुखी हूं। भारत के लिए उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। अभिनेता सनी देओल ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट साझा कर लिखा, भारत के आर्थिक उदारीकरण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दूरदर्शी नेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 28-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

मदुरै में प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मंडल की सदस्याओं द्वारा सिमंधर स्वामी स्तुति व प्रेक्षा ध्यान गीत से किया गया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता दीपिका नाहटा ने कहा कि प्रेक्षा ध्यान का सही अर्थ व महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि प्रेक्षा ध्यान के पांच सूत्र जीवन शैली से जुड़े हैं। पहले भाव क्रिया (मन की एकाग्रता का प्रयास), दूसरा प्रतिक्रिया विराती(सुनने समझने में जागरूक रहे), तीसरा है मैत्री भाव (सब प्राणियों के प्रति मैत्री भावना), चौथा मिताहार व पांचवा मितभाषण। उन्होंने अन्तर यात्रा का भी प्रयोग करवाया। कार्यशाला के पश्चात विभिन्न गतिविधियां की गई। यह जानकारी मंत्री सुनीता कोठारी ने दी।

प्रभु आनंद प्राप्त करने के लिए दया से भरा हुआ दिल होना चाहिए : स्वामीश्री व्यासानंद

भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का हुआ वर्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय संतमत परिवार प्रचार समिति के तत्वावधान में जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में चल रही श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ के पांचवें दिन व्यासपीठ से सदगुरु महर्षि मेंहीँ महाराज के शिष्य स्वामी व्यासानंदजी महाराज ने कहा कि संसार में पदार्थ से आनंद प्राप्त नहीं होता, परमात्म दर्शन से शाश्वत आनंद प्राप्त होता है जो कभी छिन्न नहीं होता। भगवान का आनंद प्राप्त करने के लिए दया से भरा हुआ दिल होना चाहिए। जिसका हृदय कलुषित होता है उसे कभी भी किसी भी चीज में आनंद प्राप्त नहीं होता। कलुषित हृदय के व्यक्ति का जीवन दूसरों के सुख से ईर्ष्या में ही बीत जाता है और कभी भी आनंदित नहीं हो सकता। हमारे दिल में ही दिलदार बसे हैं लेकिन उनका आनंद पाने के लिए बहुत बड़ा दिल चाहिए। भक्त का ध्यान जब तक भगवान में लगा रहेगा भक्त का अनिष्ट कभी हो ही नहीं सकता। संकट सभी को आता है लेकिन जो भगवान की शरण में नहीं है उसका संकट से उभरना अत्यंत मुश्किल होता है। जितना प्रेम हम भगवान को देंगे उससे कई गुना प्रेम परमात्मा हमें देंगे।

भगवान श्रीकृष्ण की बाललीला का वर्णन करते हुए संतश्री ने कहा कि श्री कृष्ण का जन्म आनंद प्राप्त करने के लिए हो हुआ है।

जन्म से ही उन्होंने अपने माता – पिता, ग्वाल बाल और गोपियों को आनंद प्राप्त कराया है। खुद के घर में दूध, दही और माखन की नदियां बहती थी फिर भी गोपियों के घर में जाकर छाछ मांगा करते थे, माखन चोरी किया करते थे। उस चोरी में भी गोपियों को आनंद आता था।

गोपियों माखन ऊंचाई पर छींके पर रख भगवान श्री कृष्ण के लिए हर इंतजाम कर छोड़ देतीं थी कि भगवान माखन खा पाएं और ये देख वो आनंदित हो सकें। ऐसे मनमोहन, आनंद प्रदान करने वाले, विश्व का कल्याण करने वाले भगवान श्री कृष्ण के शरण में रहने का आनंद से बड़ा आनंद दुनिया में और कुछ नहीं है।

'आईस्टील' टीएमटी बार ने स्टील व्यवसाय के बनाई मजबूत पैठ

कम्पनी ने 20वीं वर्षगांठ का मनाया जश्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण भारत में टीएमटी बार सरिया में अग्रणी नाम 'आईस्टील' ने हाल ही में अपने व्यवसाय के बीसवें वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जश्न मनाया। टीएमटी बार ब्रांड आईस्टील की योजना अगले 5 सालों में अपने उत्पादन क्षमता को 2.4 लाख टन करने की है ताकि इसके गुणवत्तापूर्ण स्टील टीएमटी बार की मांग को पूरा किया जा सके। आईस्टील टीएमटी बार वर्ष 2005 से ही दक्षिण भारत के चार प्रदेशों में पांच लाख से अधिक घरों के निर्माण को मजबूत बनाने में सहयोग कर चुका है।

आईस्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौतम रेड्डी ने इस मौके पर कहा कि ब्रांड की पीढ़ी दर पीढ़ी स्थायित्व के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण यह है कि हाल ही में अलगुंडी मंदिर में ऐतिहासिक राजगोपुरम निर्माण के लिए आईस्टील ब्रांड के सरिया को चुना गया। मंदिर के अधिकारियों के अनुसार इस ब्रांड के सरिया का उपयोग कर मंदिर को पांच सौ से अधिक वर्षों तक संरक्षित किया जा सकेगा। रेड्डी ने बताया कि दो दशक पहले हमने निर्माण स्टील को कमोडिटी से एक विक्षसनीय ब्रांड में बदलने का लक्ष्य रखा था जो आज आईस्टील के रूप में परिवर्तित हो चुका है। उन्होंने कहा कि हम अपनी क्षमता विस्तार पर लगातार कर रहे हैं वर्तमान में हम चार सौ से अधिक डीलरो के साथ कार्य कर रहे हैं जिसमें से 120 से अधिक डीलर पिछले एक दशक से कंपनी के साथ जुड़े हुए हैं ।

ब्रांड निर्देशक तरुण कोचर ने कहा कि भारत में निर्माण परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है उन्होंने अनुमान जताते हुए कहा कि वर्ष 2050 तक पूरे देश में 40 लाख नए घर बनाए जाएंगे क्योंकि अधिक से अधिक परिवार ऐसे घर बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे जो पीढ़ियों तक टिके रहे इसलिए हमारी बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता और चार राज्यों में व्यापक डीलर नेटवर्क हमें गुणवत्ता पूर्वक स्टील की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तैयार करेगी जिस पर परिवार दशकों तक भरोसा कर सकते हैं।

'संसार में उत्साह और उमंग के बिना जीना व्यर्थ है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर के अर्कमहा गणपति मंदिर में अपने सत्संग कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए ग्वालियर बालाजी मठ मंदिर लोकन्यास के चेयरपर्सन पंडित भानुप्रताप दुबे ने कहा कि उत्साह और उमंग के बिना जीना व्यर्थ है। इसलिए हर व्यक्ति को उत्साह के साथ जीवन जीना चाहिए। जीवन में उत्साह तभी होगा जब कोई उद्देश्य होगा, इसलिए हर मनुष्य को अपना उद्देश्य तय करना चाहिए। उद्देश्य के बिना मनुष्य का जीवन पशु समान होता है। उद्देश्य मन मुताबिक और रचनात्मक होना चाहिए ताकि उसकी पूर्ति में हम उत्साह महसूस करें। विश्व में जितने भी महान और महत्वपूर्ण आंदोलन हुए हैं, वे उत्साह से ही सफल हुए हैं। ऐसे लोगों की उम्र भले ही बढ़ती जा रही हो, लेकिन वे जीवन के प्रति उत्साह को कम नहीं होने देते हैं। इसी कारण वे हमेशा प्रसन्नचित रहते हैं और असंभव कार्य को सरलता व सहजता से करते हैं। उत्साह में कार्य करने की ऊर्जा स्वतः ही मिलने से करते हैं। उत्साह में कार्य करने की ऊर्जा स्वतः ही मिलने लगती है। दुखी रहने से जीवन में सफलता के रास्ते दिखना बंद हो जाते हैं, क्योंकि उस दुख भरी परिस्थिति में उदासी के कारण नकारात्मक विचार हावी हो जाते हैं। वहीं खुश रहने से जीवन में सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है जिससे हमारा बुरा समय जल्द विदा लेता है। जीवन मुश्किल नहीं है, बल्कि हम इसे अपनी सोच से कठिन या आसान बनाते हैं।

नई कमेटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के रोटरी भवन में रोटरी मैसूर के वर्ष 2025–26 की नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ जिसमें रविशंकर को अध्यक्ष, संजय गोपाल को सचिव, सुहास को उपाध्यक्ष, गौतम सालेचा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मरुधरा जैन संघ के अध्यक्ष जवरीलाल लुनावत, संघ के उपाध्यक्ष कांतिलाल गुलेच्छा, पूर्व कोषाध्यक्ष केवलचंद सालेचा, पूर्व सहसचिव केवलचंद मोदी एवं माणकचंद धाणेशा ने रायचूर से चातुर्मास सम्पन्न कर बेंगलूरु की ओर विहार करते हुए सीरा पहुंचे राष्ट्रसंत नरेशमुनिजी व मुनिश्री शालिभद्रजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। ज्ञातव्य है कि संतद्वय 30 दिसम्बर तक टुमकूर रोड स्थित कुलवनहल्ली के महावीर तपोवन पहुंचने की संभावना है।

कषाय ही संसार है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में विराजित शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने अपने प्रवचन में प्रज्ञापना सूत्र के विशेष पद का वर्णन करते हुए कहा कि कषाय ही संसार है। कृष अर्थात कृषक अर्थात जो कर्मों की खेती करता है। जीवन में जितनी भी कलुषता, विषमता–अधैर्यता–मानसिक चित्त की चंचलता ये सभी दोष 'कलुष' दोष में आ जाते है। बाह्य कारण जितना मानव को परेशान करता है उतना देव–पशु आदि को त्रास नहीं देता है। मनुष्य को थोड़ी भी समझ या शिक्षा मिलते ही ये सबसे ज्यादा परिग्रह के लोभ में जुड़ बैठता है। दस प्राणों के सहारे जीने वाला इन्सान एक नया प्राण (पैसा) बना बैठता है उसे दुनिया वाले आधार अति आवश्यक मान चुके हैं। महत्वकाक्षा के चक्कर में साधु साध्वी भी (जो स्वयं अपरिग्रही है) धनवानों को अच्छा अधिक समय इज्जत मान सन्मान देते देखे गए है।

सन्तों की नजरों में भी त्याग से अधिक धनवानों को महत्व दिया जा रहा है। जब तक लोभ लालसा आत्मा में छिपी बैठी रहेगी तब तक इन्सान का सच्चा रुप दिव्यता भव्यता और करुणावान भाव का आत्मा में प्रवेश ही संभव नहीं है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। संघ महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

हरियाणा नागरिक संघ द्वारा 'माता की चौकी' 5 जनवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय हरियाणा नागरिक संघ द्वारा आगामी 5 जनवरी को माता की चौकी का आयोजन वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय में किया जा रहा है। अध्यक्ष प्रेमप्रकाश बंसल ने बताया है कि कार्यक्रम में हरियाणा भजन गायिका मोना मेहता भजनों की प्रस्तुतियां देगी। इस मौके पर मां जगदंबा की झाकियां भी सजाई जाएगी।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4 बजे से होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अध्यक्ष प्रेमप्रकाश बंसल महासचिव अजयकुमार गुप्ता, वासुदेव अग्रवाल, प्रवीणकुमार गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी तैयारियों में जुटे हुए हैं ।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

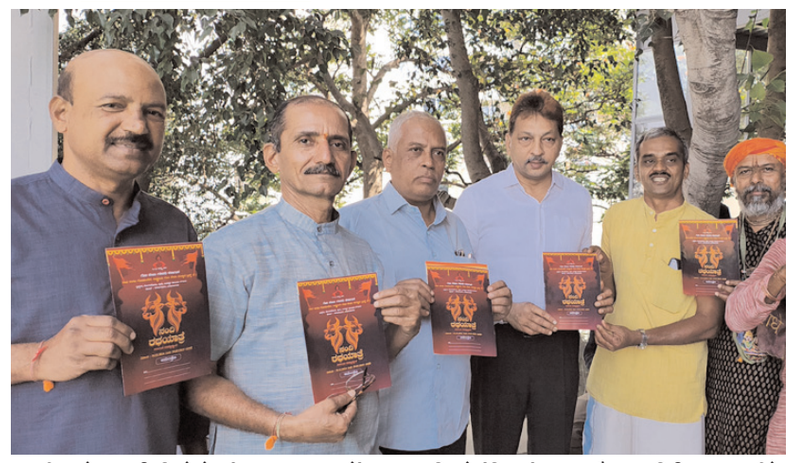

कर्नाटक के उडुपी जिले के बंटवाला तालुक में राधा सुरभि गोमंदिर संगठन, और ब्रह्मगिरी गाय फार्म के राष्ट्रीय गो सेवा संस्थान ट्रस्ट के सहयोग से नंदी रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है । यह यात्रा कर्नाटक राज्य में होने वाली एक रथ यात्रा है। 31 दिसंबर से 22 जनवरी तक चलने वाली नंदी रथ यात्रा अयोध्या में श्री रामदेव की मूर्ति स्थापना के पहले वर्ष का हिस्सा है। संगठनों के पदाधिकारियों ने विजयनगर स्थित मारुति मेडिकल्स के गोसेवक महेंद्र मुणोत से मुलाकात कर यात्रा के संबंध में चर्चा की और यात्रा के लिए आमंत्रित किया।

कांग्रेस नेता राज बब्बर शुक्रवार को नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आवास पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया से बात करते हुए।

अमेरिका, रूस, चीन के राजदूतों ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली/भाषा। रूस, चीन और अमेरिका समेत कई देशों के राजदूतों ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शुक्रवार को शोक जताया और उन्हें एक 'उत्कृष्ट नेता' बताया। राजदूतों ने भारत की प्रगति के प्रति मनमोहन सिंह की प्रतिबद्धता की सराहना की। भारत में फ्रांसीसी दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व ने 'भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत किया और फ्रांस के साथ संबंधों को मजबूत किया'। भारत में आर्थिक सुधारों के सूत्रधार सिंह का बृहस्पतिवार रात को यहां निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

अर्थशास्त्र में विशेषज्ञता के लिए विश्व स्तर पर सम्मानित सिंह के निधन पर कई देशों के राजदूतों ने दुख जताया।

भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह भारत और रूस के लिए बहुत दुख और शोक का क्षण है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में डॉ. मनमोहन सिंह का योगदान अतुलनीय था। उनका सौम्य व्यवहार हमेशा आकर्षक था क्योंकि एक अर्थशास्त्री के रूप में उनकी विशेषज्ञता और भारत की प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर कोई सवाल नहीं उठा सकता था। उन्होंने कहा, हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं डॉ. मनमोहन सिंह जी के परिवार और भारतीय लोगों के साथ हैं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.